RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 162 , शनिवार, 25 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मनरेगा की सुस्त रफ्तार पर डीडीसी सख्त, एक सप्ताह में ई-केवाईसी, जियो टैगिंग और लंबित... 03

एसएसबी व एनजीओ की सतर्कता से नेपाल ले जाई जा रही 16 वर्षीय किशोरी बचाई... 04

अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं: महिमा मकवाना 07

## धार में चालीसपीर दरगाह पर नहीं पढ़ी जुमे की नमाज

● मुस्लिम पक्ष भोजशाला के पास वाली जगह के लिए अड़ा

**धार (एजेंसी)।** धार में जुमे की नमाज को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं हो सकी है। गुरुवार देर रात जिला प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच करीब दो घंटे तक बैठक चली, लेकिन नमाज के वैकल्पिक स्थान को लेकर सहमति नहीं बन पाई। इसके चलते शुक्रवार को प्रशासन द्वारा निर्धारित मालीवाड़ा में चालीसपीर दरगाह के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए कोई नहीं पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस की ओर से मौके पर सभी इंतजाम किए गए थे। धार के सदर अब्दुल समद ने कहा- प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहा है। चालीसपीर दरगाह के पास निर्धारित स्थान पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। इसके बजाय जुमे की नमाज आसपास की मस्जिदों में अदा की जाएगी। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई है।

### सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला के पास जगह देने के लिए कहा था

इससे पहले बीती 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जाए। इसके बाद जिला प्रशासन ने मालीवाड़ा गांव में चालीसपीर दरगाह के पास नमाज की जगह निर्धारित की थी, लेकिन मुस्लिम समुदाय ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया स्थान भोजशाला से करीब दो किलोमीटर दूर है और यह कोर्ट के आदेश की भावना के अनुरूप नहीं है। इस पर अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को भोजशाला परिसर के बाहर या उससे सटे क्षेत्र में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

### प्रशासन का नया प्रस्ताव भी ठुकराया

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद जिला प्रशासन ने गुरुवार रात मुस्लिम समुदाय को चर्चा के लिए बुलाया और अन्य संभावित स्थानों का प्रस्ताव रखा। इन प्रस्तावों को भी अस्वीकार कर दिया गया। मुस्लिम समाज का कहना है कि उन्हें उनके पारंपरिक स्थान पर ही नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में भी नमाज के लिए भोजशाला के नजदीक स्थान उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

## राष्ट्रीय गीत का अपमान करना अब पड़ेगा भारी

*नित्यानंद राय ने राज्यसभा में पेश किया वंदे मातरम बिल*

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आज 24 जुलाई, शुक्रवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया है। इस ऐतिहासिक फैसले का मकसद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी वही कानूनी सुरक्षा देना है, जो अभी राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान यानी जन गण मन को मिली हुई है। अगर यह बिल संसद से पास हो जाता है, तो जानबूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालना, उसे रोकना या कार्यक्रम में व्यवधान पैदा करना कानून के तहत अपराध माना जाएगा। सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सम्मान और देश की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए उठाया गया है। यह बिल अपमान की रोकथाम अधिनियम में संशोधन करेगा।

## ब्रिक्स समिट के लिए तारिक रहमान को भेजा न्योता

● बांग्लादेश ने भारत यात्रा पर रख दी है शर्त, फंसा पेच

**ढाका (एजेंसी)।** भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेशी पीएम तारिक रहमान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने का न्योता दिया है। बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा उबैद ने गुरुवार को भारत की ओर से समिट के लिए दावत मिलने की पुष्टि की है। हालांकि बांग्लादेश की ओर से ऐसे संकेत दिए गए हैं, जिससे तारिक रहमान का भारत आना मुश्किल लगता है। इसके पीछे शेख हसीना को भारत में शरण मिलना कारण बनता दिख रहा है। भारत में बांग्लादेश के राजदूत हमीदुल्लाह रियाज ने सीधे ब्रिक्स समिट की बात नहीं की है लेकिन कहा है कि शेख हसीना के भारत में रहते हुए तारिक रहमान का यहां आना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना को निकालें।

### चीन की यात्रा का आर्थिक महत्व

नयनिमा बसु के साथ एक इंटरव्यू में हमीदुल्लाह रियाज ने भारत-बांग्लादेश के रिश्ते पर बात की है। उनसे पूछा गया था कि चीन की यात्रा के बाद क्या प्रधानमंत्री तारिक रहमान इस साल भारत का दौरा भी करेंगे। इस पर रियाज ने कहा कि यह कहना सही नहीं होगा कि ढाका ने किसी एक देश पर दूसरे देश को प्राथमिकता दी है। बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्षों ने पहले भी चीन की यात्राएं की हैं। पीएम रहमान के मामले में कई आर्थिक जरूरतों की वजह से चीन उनकी पहली विदेश यात्रा रही है। हां पीएम के तौर पर तारिक रहमान की पहली यात्रा भारत की हो सकती थी लेकिन यह समझना होगा कि बांग्लादेश और भारत के बीच मौजूदा समय में कुछ संवेदनशील मुद्दे हैं। रियाज से पूछा गया कि क्या भारत-पाक के संबंधों में शेक हसीना एक अड़चन हैं।

महाराष्ट्र-गुजरात में 'तांडव'

## भारी बारिश से 'हाहाकार'

● अहमदाबाद-सूरत समेत 5 शहरों में पानी भरा, बाजार डूबे ● यूपी में सड़क पर नाव चली, असम में बाढ़ से त्राहिमाम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूरे देश में मानसून की बारिश जारी है। दक्षिण गुजरात और महाराष्ट्र में भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वलसाड के उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश हुई, जिससे निचले इलाके डूब गए हैं। शुक्रवार को राज्य के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नवसारी में बाढ़ में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। अहमदाबाद, सूरत में पानी भर गया। वाव-थराद जिले में बाजार डूब गए। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में पानी सड़क पर भर गया। ग्रामीण नाव से आ-जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सिवान समेत बिहार के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राजस्थान के बांसवाड़ा और डूंगरपुर समेत 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी है।

**गुवाहाटी में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त-** असम की राजधानी गुवाहाटी में पिछले कुछ घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने शहर की रफ्तार पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। पूरे शहर में पानी भर जाने के कारण सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है, जिसमें हजारों गाड़ियां और लोग घंटों से फंसे हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक साथ जारी कई वीडियो में देखा जा सकता है कि बारिश इतनी तेज थी कि देखते ही देखते शहर के ज्यादातर इलाके जलमग्न हो गए। मुख्य सड़कों, बाजारों और रिहायशी इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। सड़कों पर जलभराव के कारण कई गाड़ियां और बाइक पानी में बंद हो गईं, जिससे लंबी कतारें लग गईं।

## सरकार ने मांगा समय | प्रधान के इस्तीफे पर अड़ी सीजेपी

● पार्टी बोली-धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं ● सरकार ने मुआवजा देने और केस वापसी पर जताई सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच शुक्रवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बैठक हुई। इसमें सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह और सीजेपी की तरफ से सौरभ दास, आशुतोष रांका शामिल हुए। बैठक के बाद सीजेपी के प्रवक्ताओं ने कहा,हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं करेंगे। सरकार ने मुआवजा देने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने पर सहमति जताई है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बताया, 'दो घंटे की बातचीत में सीजेपी ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और सुधार के 5 सुझाव रखे हैं।

### धर्मेंद्र प्रधान ने एजुकेशन सिस्टम को कर दिया ध्वस्त

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वे हमारे एजुकेशन सिस्टम के ध्वस्त होने का प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्हीं की वजह से हजारों लोग बाहर हैं। राहुल ने पैलेट गन से घायल छात्रों से मुलाकात की। वे एक घायल छात्र को साथ में लेकर मीडिया के सामने आए। उन्होंने छात्र के हाथ में लगे घाव को दिखाया। राहुल ने कहा- मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर विरोध कर रहा था।

### सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल 27वें दिन खत्म

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नीट पेपर लीक के खिलाफ 27 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने गुरुवार देर रात अपना अनशन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे, जहां नड्डा ने वांगचुक को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। वांगचुक ने शुक्रवार सुबह जारी वीडियो संदेश में कहा कि पिछले दो दिन से सरकार के साथ उनकी लगातार बातचीत चल रही थी। इस दौरान उनकी तीन प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से इन मांगों पर लिखित आश्वासन मिला है।

## बिहार के सरकारी स्कूलों में फिर से हाफ-डे शनिवार!

### सीएम सम्राट चौधरी ने दी जानकारी

**पटना (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मानसून सत्र के दौरान विधान परिषद को बताया कि बिहार सरकार द्वारा एक सप्ताह के भीतर यह निर्णय लिए जाने की उम्मीद है कि क्या सरकारी स्कूलों को शनिवार को आधे दिन के कार्यक्रम में वापस लाया जाना चाहिए। यानी आधे दिन स्कूल और आधे दिन छुट्टी। सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने यह मुद्दा उठाया और सरकार से शनिवार के पहले वाले समय को बहाल करने और स्कूल के समय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप करने का आग्रह किया। इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए सम्राट ने कहा कि शनिवार को आधे दिन की छुट्टी रहेगी।

**सम्राट चौधरी ने दिया सदस्यों को भरोसा-** सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में इस मुद्दे की जांच करेगी और अंतिम निर्णय लेने से पहले शिक्षकों, छात्रों और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगेगी। शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले वर्तमान स्कूल कार्यक्रम, छात्रों की सुविधा और शनिवार की कक्षाओं के सीखने के परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा करेगा।

● 10 साल जेल और 10 करोड़ रुपए जुर्माने का प्रावधान ● प्रदर्शनों के बीच लिया बड़ा फैसला, बनाया है सख्त प्लान

## पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार पेपर लीक और नकल के खिलाफ मौजूदा कानूनों को और सख्त करने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री के देर रात जारी वीडियो संदेश में और कार्रवाई का वादा करने के एक दिन बाद सरकार पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) एक्ट, 2024 में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि पेपर लीक मामलों में 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माने का प्रावधान किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि शुक्रवार दोपहर को होने वाली कैबिनेट बैठक में पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) एक्ट, 2024 में प्रस्तावित संशोधनों को मंजूरी मिल गई है। संभावित बदलावों के बारे में बताते हुए सूत्रों ने कहा कि कानून में पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का प्रावधान जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार सुबह पोस्ट किया था कि उन्होंने पेपर लीक मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन बदलावों से सुधार होगा।

### सोमवार को पेश हो सकता है ये बिल

ऑर्गनाइज्ड क्राइम (संगठित अपराध) के मामलों में, 5 से 10 साल की जेल और कम से कम 1 करोड़ रुपये का जुर्माना हो सकता है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, सोमवार को लोकसभा में संशोधन बिल पेश किए जाने की उम्मीद है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया था कि पिछले 10 सालों में 150 बार पेपर लीक हुए हैं और एक भी दोषी को सजा नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार रात एक वीडियो बयान में वादा किया कि शुक्रवार को पेपर लीक मामलों में और कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट की घोषणा के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर यह पोस्ट किया। देर रात का यह वीडियो बयान एक ही दिन में इस मुद्दे पर पीएम मोदी का दूसरा पोस्ट था। पीएम मोदी ने कहा- दोस्तों, मैं जानता हूं कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है। यह लाखों छात्रों और उनके परिवारों के लिए बहुत दुखद है। इसीलिए पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, दोषियों को पकड़ लिया गया है और वे जेल में हैं। हमारी सबसे अहम जिम्मेदारी यह पक्का करना था कि छात्रों का एक भी साल बर्बाद न हो। तुरंत परीक्षा कराना बहुत जरूरी था। उन्होंने कहा कि सरकार ने कम से कम 22 लाख छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करने में ताकत लगा दी है।

## माता-पिता की जगह मोबाइल ले रहा, यह राष्ट्रीय आपदा है

### संयुक्त परिवार को लेकर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संयुक्त परिवार प्रणाली के लगातार खत्म होने और एकल परिवारों में बच्चों को समय देने के बजाय मोबाइल-गैजेट्स थमा देने पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता और नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि माता-पिता की जगह गैजेट्स (मोबाइल) ले लेंगे, तो यह स्थिति समाज के लिए विनाशकारी साबित होगी और आने वाली पीढ़ी पारिवारिक रिश्तों व बंधनों से पूरी तरह अनजान हो जाएगी। दरअसल, हाल ही में पति-पत्नी की हत्या की घटनाओं में, जिनमें सोनम रघुवंशी का मामला भी शामिल है, इसका विश्लेषण करते हुए स्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि यह बदलते समाज का प्रतिबिंब है। पीठ ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी अधिक बुद्धिमान और जानकार है, लेकिन आज की पीढ़ी अत्यधिक दबाव झेलने में सक्षम नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजकल लोग व्हाट्सएप पर प्रसारित संदेशों पर भरोसा करते हैं और उन्हें ज्ञान मान लेते हैं। अदालत की चिंता से सहमत होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक सामाजिक समस्या बन गई है और मानवीय संबंधों में विश्वास कम हो रहा है तथा सहिष्णुता की कमी हो रही है। न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा कि यह ठीक नहीं है।

## संक्षिप्त समाचार

### मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाश को धर दबोचा, आरपीएफ ने 2 मोबाइल और 1 बाइक बरामद की

**हाजीपुर**। हाजीपुर पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट हाजीपुर (ओपी भगवानपुर) की टीम ने 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी भगवानपुर रेलवे स्टेशन पर गश्त के दौरान हुई, जब आरोपी ट्रेन से मोबाइल छीनकर भागने की कोशिश कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वैशाली निवासी नीतीश कुमार (29 वर्ष) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से दो सैमसंग मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल (BR-31S-1350) बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी नीतीश कुमार ने स्वीकार किया कि उसने पाटलिपुत्र-मुजफ्फरपुर पैसेंजर ट्रेन में यात्रा कर रहे एक यात्री का मोबाइल फोन छीना था। घटना को अंजाम देने के बाद वह मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, तभी आरपीएफ की गश्ती टीम ने उसे पकड़ लिया। आरपीएफ ने गिरफ्तार आरोपी और बरामद सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी थाना मुजफ्फरपुर को सौंप दिया है। इस मामले में कांड संख्या 139/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 305(C) एवं 317(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरपीएफ हाजीपुर के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और रेलवे परिसर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल या हेल्पलाइन पर देने की अपील की।

### 'प्रधानजी हमने इस्तीफा लिख दिया है,तुम अंगूठा लगा दो', छात्र बोले, केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध मार्च और नारेबाजी

**हाजीपुर**। वैशाली के लालगंज में छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर मार्च निकाला, सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन किया। प्रदर्शन में छात्रों के साथ कई स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ता और नेता भी शामिल हुए। पूरे बाजार और गली-मोहल्लों में मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। इस दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार नारे लगाए गए। हालांकि, इस प्रदर्शन के दौरान कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें सामने आईं। कुछ प्रदर्शनकारियों के हाथों में अभद्र और आपत्तिजनक स्लोगन वाली तख्तियां दिखाई दीं। इतना ही नहीं, कुछ बच्चों को भी वही नारे दोहराते हुए देखा गया, जिसे सुनकर मौके पर मौजूद कई लोग असहज महसूस कर रहे थे। इस घटना ने विरोध प्रदर्शन के तरीकों पर ध्यान आकर्षित किया है। लोकतंत्र में विरोध और असहमति व्यक्त करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक प्रदर्शनों में अशोभनीय भाषा का उपयोग और बच्चों को ऐसे नारों में शामिल करने के औचित्य पर बहस छिड़ गई है।

### मादक पदार्थ तस्करों पर शिकंजा, 20.17 ग्राम स्मैक बरामद, 2 गिरफ्तार, 4 मोबाइल और 2 बाइक जब्त

**हाजीपुर**। वैशाली पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों के सेवन और तस्करी पर रोक लगाने के लिए 'ऑपरेशन नीलकंठ' चलाया जा रहा है। इसी के तहत महुआ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20.17 ग्राम हेरोइन (स्मैक) के साथ दो कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई 2026 को जिला आसूचना इकाई से सूचना मिली थी कि महुआ थाना क्षेत्र के मिर्जानगर गांव में कुछ लोग बिक्री के उद्देश्य से मादक पदार्थ लेकर जमा हुए हैं। इस सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (महुआ) के नेतृत्व में महुआ थाना की एक टीम गठित कर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान 20.17 ग्राम हेरोइन (स्मैक) के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अभिषेक कुमार (पिता- रूदल राय, निवासी- भदबास, थाना महुआ) और विशाल कुमार (पिता- अवधेश राय, निवासी- मिर्जानगर, थाना महुआ) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसे किसे बेचा जाना था। इस मामले में महुआ थाना कांड संख्या 742/26 दर्ज कर दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 20.17 ग्राम हेरोइन (स्मैक), चार मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अभिषेक कुमार के विरुद्ध पहले से आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

### करंट लगने से 24 वर्षीय मिस्त्री की मौत, बागमाली मोहल्ले में फर्नीचर की दुकान में काम करते समय हादसा

**हाजीपुर**। वैशाली के बागमाली मोहल्ले में गुरुवार दोपहर एक मिस्त्री की करंट लगने से मौत हो गई। वह एक घर में एल्यूमीनियम का काम कर रहा था। मृतक की पहचान करताहा के नामीदीह गांव निवासी उमेश शाह के 24 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार के रूप में हुई है। सोनू पिछले 20 सालों से बागमाली मोहल्ले में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता था। जानकारी के अनुसार, सोनू कुमार बागमाली मोहल्ले में एक फर्नीचर की दुकान में काम करता था और ऑर्डर मिलने पर एल्यूमीनियम के खिड़की-दरवाजे लगाने का काम करता था। गुरुवार को वह अपने घर से लगभग 200 मीटर दूर एक घर में काम करने गया था, तभी करंट की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 और नगर थाना पुलिस को दी। नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के भाई रोहित कुमार ने बताया कि सोनू फर्नीचर की दुकान में काम करता था। गुरुवार को बागमाली मोहल्ले में एल्यूमीनियम का काम करते समय वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

### तीन बेटियों ने पिता की अर्थी को दिया कंधा, पाटीदारों के विरोध के बावजूद निभाया बेटे का फर्ज

**मुजफ्फरपुर**। मुजफ्फरपुर जिले में सामाजिक परंपराओं को चुनौती देते हुए तीन बेटियों ने अपने पिता का अंतिम संस्कार किया। पाटीदारों के विरोध के बावजूद बेटियों ने न सिर्फ पिता की अर्थी को कंधा दिया, बल्कि सबसे छोटी बेटी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की सभी रस्में पूरी की। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। मामला मीनापुर प्रखंड के सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र से जुड़ा है। घोसौत गांव के वार्ड संख्या-9 निवासी 65 वर्षीय दुर्गा सहनी का मंगलवार को निधन हो गया। उनका कोई बेटा नहीं था। परिवार में तीन बेटियां श्रीमती देवी, शारदा देवी और पिंकी देवी है। पिता की मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी भी तीनों बेटियों ने अपने कंधों पर उठा ली। स्थानीय मुखिया अखिलेश राम ने बताया कि दुर्गा सहनी का अपने पाटीदारों से लंबे समय से विवाद चल रहा था। निधन के बाद जब बेटियां अंतिम संस्कार की तैयारी कर रही थीं, तब कुछ पाटीदारों ने इसका विरोध किया। उन पर दबाव बनाने का प्रयास किया। इस दौरान बेटियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। सूचना मिलने पर मैं मौके पर पहुंचे और बेटियों को उनके कानूनी और सामाजिक अधिकारों की जानकारी दी। जब विरोध नहीं रुका तो पुलिस को सूचना देने की बात कही गई, जिसके बाद मामला शांत हुआ। विरोध के बावजूद तीनों बेटियों और उनके नाती ने मिलकर पिता की अर्थी को कंधा दिया और श्मशान घाट तक पहुंचे। वहां सबसे छोटी बेटी पिंकी देवी ने अपने पिता को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की। बताया जा रहा है कि इस दौरान किसी भी पाटीदार ने न तो अर्थी को कंधा दिया और न ही अंतिम संस्कार में शामिल हुए। बाद में गांव के कुछ लोगों ने आगे बढ़कर बेटियों का सहयोग किया। पिता के प्रति बेटियों के इस साहस, जिम्मेदारी और समर्पण की पूरे गांव और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा हो रही है। सामाजिक विरोध के बावजूद तीनों बेटियों ने जिस तरह अपने पिता का अंतिम संस्कार किया, उसे लोग बेटियों की हिम्मत और बदलते सामाजिक सोच का उदाहरण मान रहे हैं।

# 7 जिलों में प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका

## पटना में डंडे-हेलमेट लेकर सड़कों पर पुलिस, मुजफ्फरपुर में 26 जुलाई तक इंटरनेट बंद

एजेंसी, पटना

NEET पेपर लीक और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बिहार में शुक्रवार को भी छात्रों का प्रदर्शन जारी है। बक्सर, सुपौल और समस्तीपुर में छात्र पोस्टर-बैनर लेकर सड़कों पर उतरे हैं। वैशाली में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरकर नारेबाजी कर रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका गया। समस्तीपुर-मधुबनी में भी प्रदर्शन हो रहे है।

खगड़िया और दरभंगा में हजारों की संख्या में छात्र सड़कों पर उतरकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। मुजफ्फरपुर में छात्रों के समर्थन में स्थानीय नेता जुलूस निकाल रहे हैं।

वहीं, मुजफ्फरपुर में प्रदर्शन को देखते हुए 24 जुलाई दोपहर 12:30 बजे से 26 जुलाई सुबह 10:00 बजे तक टाउन-1 और टाउन-2 पुलिस सब-डिवीजन क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। फेसबुक, एक्स, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम समेत 24 सोशल नेटवर्किंग और मैसेजिंग सेवाओं पर रोक रहेगी। किसी भी प्रकार के संदेश, फोटो, वीडियो या अन्य डिजिटल सामग्री के प्रसारण पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, सरकारी कार्यों के लिए उपयोग होने वाली अधिकृत इंटरनेट सेवाओं को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। पटना में प्रदर्शन को देखते हुए विधायक गाड़ियों से झंडे उतारकर कार्यवाही में पहुंचे। विधानसभा, रेलवे स्टेशन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भागलपुर में पुलिस ड्रोन से निगरानी कर रही है। पटना के जेपी गोलंबर पर वाटर कैनन के साथ 200 जवानों की तैनाती की गई है। पटना पुलिस की ओर से रैपिड एक्शन शुरू किया गया है। पटना डीएम, एसएसपी समेत सभी थाने के थानेदार इसमें मौजूद हैं। सड़क पर दिख रहे छात्रों को रोक कर पूछताछ हो रही है। शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया है।

## पटना-जमुई-बक्सर और खगड़िया में बारिश, 19 जिलों में अलर्ट

एजेंसी, पटना

पटना के कुछ इलाकों में शुक्रवार सुबह से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। बारिश के कारण AN कॉलेज के पास सड़क धंस गई है। गड्ढा हो गया है, एहतियात के लिए इस सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही बंद है, ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। वहीं खगड़िया, जमुई और बक्सर में भी बारिश हुई है। नालंदा में सुबह-सुबह हल्की बारिश हुई। वहीं गयाजी में गया-कोडरमा रेलखंड पर पेड़ की टहनी गिरने से रेलकर्मी की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंद्रिका यादव(56) के तौर पर हुई है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के बाभनीमा गांव के रहने वाले थे। वो ड्यूटी के लिए घर से निकले थे,तभी हादसा हो गया।

बीते 24 घंटे में बिहार के तीन जिलों में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत हो गई। जमुई में शुक्रवार सुबह एक छात्र की ठनका से मौत हो गई। औरंगाबाद और बक्सर में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से 2-2 लोगों की जान गई।

मौसम विभाग ने आज उत्तर बिहार के 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, दक्षिण बिहार के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ रहेगा। कुछ जगहों पर बादल छाए रहेंगे। साथ ही हल्की बारिश की संभावना है। 25 से 28 जुलाई तक उत्तर बिहार के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 28 जुलाई को पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सीवान समेत कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है

## मानसून सत्र के अंतिम दिन भी गायब रहे तेजस्वी यादव

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार गायब हैं। सत्र की शुरुआती दिनों से ही वो चर्चा के विषय बन गए हैं। आज मानसून सत्र के अंतिम दिन भी नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सदन से नदारद रहे।लगातार चौथे दिन उनकी अनुपस्थिति को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज रही।

एक दिन पहले कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सदन में तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी पर सवाल उठाते हुए राजद नेताओं से जवाब मांगा था। शुक्रवार को भी इस मुद्दे पर राजद के कई विधायकों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी और तेजस्वी यादव का बचाव करते हुए सत्ता पक्ष पर पलटवार किया।

राजद विधायक अनीता देवी ने तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति पर पूछे गए सवाल को ज्यादा तवज्जो देने से इनकार किया। उन्होंने कहना है कि मीडिया बार-बार एक ही सवाल पूछ रहा है।

राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने भी तेजस्वी यादव का बचाव करते हुए कहा कि मीडिया रोज एक ही सवाल पूछता है। उन्होंने कहा, "मुझे भी अब इस सवाल पर हंसी आती है।"

विधायक आईपी गुप्ता ने कहा, 'सत्ता पक्ष को तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति की सबसे ज्यादा चिंता है। उन्होंने कहा, "वह आज आएंगे और जल्द बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर जनसभा को भी संबोधित करेंगे।"

## सम्राट सरकार के फैसले के खिलाफ शिक्षकों का प्रदर्शन

- मानव श्रृंखला और हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, कल सड़कों पर उतरे थे सभी शिक्षक

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के शिक्षक आज सम्राट सरकार के फैसले के खिलाफ आज भी प्रदर्शन जारी रखेंगे। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र में 'निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026' के विरोध में आज धरनास्थल पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। पटना कॉलेज परिसर में सुबह 11:30 बजे से शाम 4 बजे तक मानव श्रृंखला बनाई जाएगी। पटना विश्वविद्यालय संघर्ष समिति के बैनर तले आज भी आंदोलन जारी रहेगा।

**सड़कों पर उतरे शिक्षक और छात्रः** यह आंदोलन तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। सुबह 11 बजे पटना विश्वविद्यालय मुख्यालय से लोकभवन के लिए पैदल आक्रोश मार्च निकाला गया, लेकिन पुलिस ने इसे पटना कॉलेज के आगे रोक दिया। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी पटना कॉलेज, वाणिज्य महाविद्यालय और दरभंगा हाउस होते हुए पुनः धरना स्थल पहुंचे। यहां सभा की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मार्च शुरू होने से पहले विश्वविद्यालय परिसर में बैठे दो शिक्षकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया, ताकि आंदोलन को कमजोर किया जा सके।

**मंत्री ने कहा- व्यापक विमर्श के बिना नया अधिनियम नहीं:** पीयू, पीपीयू समेत राज्य के कई विवि के शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार से मिला। उन्हें प्रस्तावित विवि अधिनियम-2026 के विरोध में एक ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता हर हाल में बनी रहनी चाहिए। व्यापक विमर्श के बिना कोई संशोधन लागू नहीं किया जाना चाहिए। वे इस विषय पर मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे।

**शिक्षक और कर्मचारी मंगलवार से सामूहिक अवकाश परः** पटना विश्वविद्यालय शिक्षक संघ, पटना विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ, पटना विश्वविद्यालय कॉलेज कर्मचारी संघ और पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के द्वारा संयुक्त रूप से एक मोर्चा बनाकर इसका विरोध किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्वायत्तता के सवाल पर सभी एकजुट होकर विरोध कर रहे हैं। सरकार के प्रस्ताव का विरोध करते हुए सभी शिक्षक और कर्मचारी मंगलवार से ही सामूहिक अवकाश पर हैं। उनका मानना है कि पटना विश्वविद्यालय अधिनियम अन्य विश्वविद्यालय से अलग है।

**विधानसभा घेराव और राजभवन मार्च की चेतावनी दीः** मंगलवार से ही पटना यूनिवर्सिटी के शिक्षक धरने पर बैठे हुए है। बिहार सरकार मुर्दाबाद, विश्वविद्यालय को सचिवालय नहीं बनने देंगे के नारे लगाए थे। पटना यूनिवर्सिटी सीनेट हॉल के बाहर 350 शिक्षक सहित, कर्मचारी संघ और छात्र संघ मिलाकर करीब 1000 लोग इस प्रदर्शन में शामिल हुए थे। उनका मानना है कि पटना विश्वविद्यालय अधिनियम अन्य विश्वविद्यालय से अलग है। सभी शिक्षकों ने विधानसभा का घेराव और राजभवन मार्च करने की चेतावनी दी थी।

## एसबीआई एटीएम उखाड़कर ले गए बदमाश

- वैशाली के सराय थाना क्षेत्र से पुलिस ने किया बरामद, कैश बॉक्स काटकर पैसा निकाला

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के चकसिकंदर बाजार में गुरुवार देर रात भारतीय स्टेट बैंक (SBI) का एक एटीएम उखाड़ लिया गया। अपराधी एटीएम मशीन को वाहन में लादकर फरार हो गए। यह घटना रात करीब 1 बजे हुई। बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने से पहले एटीएम परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे का तार काट दिया और कैमरे का रुख बदल दिया, ताकि उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सकें। इसके बाद उन्होंने एटीएम मशीन को उखाड़ा और किसी वाहन में रखकर ले गए।

**बोरिया गांव के पास से एटीएम मशीन बरामदः** पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद सराय थाना क्षेत्र के बोरिया गांव के पास से एटीएम मशीन बरामद कर ली गई। बताया जा रहा है कि अपराधी मशीन को तोड़कर उसमें से नगदी निकालने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि, एटीएम से कितनी राशि निकाली गई या नगदी सुरक्षित है, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर और सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर फरार बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और घटना में शामिल अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

**FSL ने चोरो के फिंगर प्रिंट का सैंपल लियाः** घटना की जानकारी मिलते ही चकसिकन्दर ओपी अध्यक्ष संदीप कुमार पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। पुलिस ने FSL टीम बुलाकर घटनास्थल से जांच सैंपल कलेक्ट किया है। FSL टीम ने चोरो के फिंगर प्रिंट का सैंपल लिया है। चकसिकंदर बाजार में तीन एटीएम केंद्र है।

हालांकि, एक भी ATM केंद्र में गार्ड की ड्यूटी नहीं है। स्थानीय थाना स्तर पर एक बड़े आबादी वाले बाजार में मात्र एक ही चौकीदार की ड्यूटी लगाई जाती है। जबकि चकसिकंदर पंचायत में दो चौकीदार है। एक चौकीदार ओपी का वाहन चालक है। यहां एक भी सरकारी चालक नहीं है।

**घटना के दौरान गायब थी डायल 112:** घटना के दौरान चक सिकंदर ओपी अध्यक्ष संदीप कुमार खुद नाइट गस्ती में थे। घटनास्थल के आसपास ही प्रतिदिन डायल 112 की पुलिस अपने वाहन खड़े किए रहता था। लेकिन घटना समय वहां डायल 112 की गाड़ी नदारत थी। घटना के दौरान एटीएम से तरफ से तेज आवाज होने के बाद आसपास के लोगों की नींद खुली और घर के छतों से झांक कर देखा तो एक लग्जरी क्रेटा कार के साथ चार से पांच की संख्या में चोर थे। सभी मिलकर एटीएम मशीन के टुकड़े को कार में लोडकर रहे थे। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगो द्वारा घटना की सूचना देने के लिए डायल 112 की पुलिस को सूचना दी थी।

## लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर मांगी 50 लाख की रंगदारी

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में एक कारोबारी से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने और पूरे परिवार की हत्या की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी व्हाट्सएप पर भेजे गए मैसेज के जरिए दी गई है। घटना के बाद कारोबारी और उनका परिवार दहशत में है। ब्रह्मपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

पीड़ित कारोबारी की पहचान दाउदपुर कोठी संगम चौक निवासी रंजीत कुमार सहनी के रूप में हुई है। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि 21 जुलाई की सुबह 9:47 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया।

मैसेज भेजने वाले ने खुद को "लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप" का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी।

मैसेज में चेतावनी दी गई कि यदि रंगदारी की रकम नहीं दी गई तो कारोबारी समेत पूरे परिवार की हत्या कर दी जाएगी। धमकी मिलने के बाद पीड़ित ने तुरंत इसकी सूचना ब्रह्मपुरा थाना पुलिस को दी और लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। आवेदन में धमकी देने वाले मोबाइल नंबर, व्हाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की तकनीकी जांच कराने के साथ ही आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई तथा परिवार की सुरक्षा की मांग की गई है।

## बांकीपुर उपचुनावः भाजपा और जन सुराज दोनों का शक्ति प्रदर्शन

- भाजपा के लिए पवन सिंह, मनोज तिवारी संभालेंगे मोर्चा, प्रशांत किशोर मोहल्ला में करेंगे संवाद

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार अभियान ने आज पूरी रफ्तार पकड़ ली है। भारतीय जनता पार्टी और जन सुराज पार्टी दोनों ने आज अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में कई कार्यक्रम तय किए हैं। भाजपा की ओर से भोजपुरी अभिनेता और एमएलसी पवन सिंह और सांसद मनोज तिवारी जनसभाओं को संबोधित करेंगे, जबकि जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर दिनभर चाय बैठक और मोहल्ला बैठकों के जरिए मतदाताओं से संवाद करेंगे। बांकीपुर का यह चुनाव दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन चुका है।

**भोजपुरी अभिनेता और MLC पवन सिंह की तीन जनसभाएंः** भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार के समर्थन में अभिनेता पवन सिंह आज तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन सभाओं में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की भी मौजूदगी रहेगी।

**अभिनेता और सांसद मनोज तिवारी की दो बड़ी सभाएंः** भाजपा के स्टार प्रचारक और सांसद मनोज तिवारी भी शुक्रवार को दो जनसभाओं के जरिए चुनाव प्रचार करेंगे।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक और उम्मीदवार प्रशांत किशोर आज पूरे दिन अलग-अलग वार्डों में चाय बैठक और मोहल्ला बैठकों के माध्यम से मतदाताओं से सीधा संवाद करेंगे।

## बीजेपी में शामिल हुए राजद के मृत्युंजय तिवारी, बोले- खून का कतरा-कतरा बीजेपी के लिए समर्पित रहेगा

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय जनता दल का लंबे समय तक मजबूत ब्राह्मण चेहरा रहे मृत्युंजय तिवारी ने आज यानी शुक्रवार को बीजेपी का दामन थाम लिया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पार्टी कार्यालय में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई है। बीजेपी जॉइन करने के बाद मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बीजेपी ने हम जैसे छोटे कार्यकर्ता को सम्मान दिया है। हमारे शरीर के खून का एक एक कतरा बीजेपी के लिए समर्पित रहेगा। हमने राजद में जिस निष्ठा और समर्पण भाव से काम किया, उसका हमें वहां सम्मान नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि जिस पार्टी के पास न कोई नीति है, ना नियत है और ना ही नेतृत्व। उस पार्टी में कोई कार्यकर्ता काम नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने विकसित भारत और विकसित बिहार बनाने का संकल्प लिया है, उसको आगे लेकर जाने में हम अपना योगदान देंगे। हमें गर्व है कि हम उस पार्टी में शामिल हुए है, जो देश के लिए सोचता है। बता दें कि मृत्युंजय तिवारी ने 16 जुलाई को राजद से इस्तीफा दिया था। हालांकि, आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने तेजस्वी यादव के विदेश दौरे से लौटने तक उनका इस्तीफा होल्ड पर रखा था, लेकिन मृत्युंजय तिवारी ने स्पष्ट कर दिया था कि अब बातचीत का समय निकल चुका है।

**इस्तीफे के पीछे की मुख्य वजहेंः** मृत्युंजय तिवारी ने आरजेडी छोड़ते समय पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और आंतरिक कार्यशैली पर तीखे आरोप लगाए थे। तिवारी ने आरोप लगाया था कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कुछ ऐसे तत्वों से घिरे हुए हैं, जो पार्टी को अंदर ही अंदर दीमक की तरह चाट रहे हैं। पार्टी के लिए दिन-रात वफादारी से काम करने के बावजूद हमें लगातार दरकिनार और अपमानित किया गया। अपमान सहकर राजनीति करना मुमकिन नहीं था। उन्होंने दावा किया था कि अपनी शिकायतों को लेकर वरिष्ठ नेताओं और तेजस्वी यादव से भी संपर्क किया था, लेकिन उनकी बात को पूरी तरह अनसुना कर दिया गया।

### राजद में सम्मान नहीं बचा

**लालू यादव के करीबी 'सिपाही':** मृत्युंजय तिवारी को बिहार की राजनीति में आरजेडी का एक वफादार और आक्रामक नेता माना जाता था। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने साल 2014 के बेहद मुश्किल दौर में मृत्युंजय तिवारी पर भरोसा जताते हुए उन्हें पार्टी का मीडिया प्रभारी और प्रवक्ता नियुक्त किया था। जब लालू यादव जेल में थे और पार्टी विपक्ष में रहकर संघर्ष कर रही थी, तब तिवारी ने टीवी डिबेट्स और प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरजेडी का पक्ष पूरी ताकत से रखा। आरजेडी के पारंपरिक 'MY' (मुस्लिम-यादव) समीकरण से अलग, मृत्युंजय तिवारी पार्टी का एक बड़ा सवर्ण (ब्राह्मण) चेहरा थे, जो समाज के अन्य वर्गों में भी अच्छी पकड़ रखते थे।

## संक्षिप्त समाचार

### नीट पेपर लीक, मंदिर में चोरी और छात्र आत्महत्या के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर बरसे कांग्रेस नेता धीरज सिंह

**बीएनएम@ रामगढ़वा।** कांग्रेस के प्रदेश नेता धीरज सिंह ने शनिवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि युवाओं से रोजगार के नाम पर किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में युवाओं का भविष्य लगातार असुरक्षित होता जा रहा है और सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के बजाय चुप्पी साधे हुए है। धीरज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश के युवाओं को हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लगातार लीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है, राम मंदिर में चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं और छात्र आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसे हालात सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा सड़क पर इसलिए उतरने को मजबूर है क्योंकि उसके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र वर्षों तक कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र लीक हो जाने के कारण उनकी मेहनत बेकार हो जाती है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि एक ओर आम युवाओं का भविष्य अंधकार में है, वहीं दूसरी ओर सत्ता से जुड़े प्रभावशाली लोगों के परिवारों के बच्चे विदेशों में बेहतर सुविधाओं के साथ जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी दर्शाती है। धीरज सिंह ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि "इस देश को तीन लोगों ने हाईजैक कर लिया है। जब तक देश को इस हाईजैक से आजाद नहीं कराया जाएगा, तब तक युवाओं का भविष्य इसी तरह बर्बाद होता रहेगा।" उन्होंने नीट पेपर लीक मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसे मामलों में शामिल लोगों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए, जिससे भविष्य में कोई इस प्रकार का अपराध करने की हिम्मत न करे। धीरज सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने युवाओं की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया और पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक नहीं लगाई, तो छात्र और युवा व्यापक आंदोलन करेंगे। उल्लेखनीय है कि हाल के समय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोपों को लेकर देश के कई हिस्सों में छात्रों ने प्रदर्शन किए हैं। बेरोजगारी और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार को घेरता रहा है।

### रामगढ़वा में स्वास्थ्य विभाग का अल्टीमेटम बेअसर, अवैध रूप से चल रहे अस्पतालों पर सोमवार से होगी कार्रवाई

**बीएनएम@ रामगढ़वा।** रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र में बिना आवश्यक मानकों और वैध दस्तावेजों के संचालित निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, नर्सिंग होम एवं जांच घरों पर स्वास्थ्य विभाग अब सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। विभाग की ओर से सभी निजी चिकित्सा संस्थानों को निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन कई संचालकों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश के बावजूद अधिकांश संस्थानों ने समय पर अपने कागजात जमा नहीं किए। विभाग द्वारा पर्याप्त समय दिए जाने के बाद शुरुआती चरण में केवल नौ संस्थानों ने ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) कार्यालय में अपने दस्तावेज जमा किए थे। बाद में कुछ और संचालकों ने कागजात जमा किए, जिससे यह संख्या बढ़कर 14 हो गई। हालांकि, विभाग की सूची में शामिल कुल 25 निजी चिकित्सा संस्थानों में से अब भी 11 संस्थानों ने आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए हैं। इसे स्वास्थ्य विभाग ने गंभीर लापरवाही माना है। पीएचसी प्रभारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन संस्थानों ने अब तक अपने वैध दस्तावेज जमा नहीं किए हैं, उनके विरुद्ध सोमवार से विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रहे अस्पतालों, क्लीनिकों और जांच घरों को बंद कर सील करने की कार्रवाई की जाएगी। डॉ. सिंह ने कहा कि सभी निजी चिकित्सा संस्थानों का विधिसम्मत पंजीकरण एवं आवश्यक मानकों का पालन करना अनिवार्य है। नियमों की अनदेखी करने वाले संचालकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस सख्त चेतावनी के बाद बिना मानकों के संचालित निजी चिकित्सा संस्थानों में हड़कंप मच गया है। विभाग का कहना है कि कार्रवाई का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और मानक आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

# बीएनएम की खबर पर एसपी स्वर्ण प्रभात का बड़ा एक्शन, बंजरिया थानाध्यक्ष पर आरोपों की जांच शुरू; प्रशिक्षु डीएसपी ने मौके पर की पड़ताल

**भू-माफिया से मिलीभगत के आरोपों की जांच तेज, सिंघिया पहुंचीं प्रशिक्षु डीएसपी; पीड़ित परिवार से मांगे जमीन के कागजात और सीसीटीवी फुटेज**

बीएनएम@ सागर सूरज

**मोतिहारी।** बॉर्डर न्यूज मिरर द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर के बाद पूर्वी चम्पारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने मामले में कार्रवाई करते हुए बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह पर लगे आरोपों की जांच शुरू करा दी है। एसपी के निर्देश पर प्रशिक्षु डीएसपी प्रियंका कुमारी ने बंजरिया थाना क्षेत्र के सिंघिया गांव स्थित विवादित जमीन पर पहुंचकर पूरे मामले की स्थल जांच की।

जांच के दौरान प्रशिक्षु डीएसपी ने स्थानीय लोगों से अलग-अलग बातचीत कर उनके बयान दर्ज किए। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा और दावा किया कि जिस घटना के आधार पर मामला दर्ज किया गया, वैसी कोई घटना स्थल पर हुई ही नहीं थी। जांच के दौरान डीएसपी

ने शिकायतकर्ता शमशेर आलम के परिजनों से संबंधित जमीन के स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज तथा घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी उपलब्ध कराने को कहा। परिवार ने बताया कि सभी आवश्यक कागजात एवं सीसीटीवी फुटेज सोमवार तक जांच अधिकारी को सौंप दिए जाएंगे। गौरतलब है कि बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह पर आरोप है कि वे भूमि विवादों में भू-माफियाओं के प्रभाव में आकर निर्दोष लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज करते हैं तथा पीड़ित पक्ष की शिकायतों पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करते। इन्हीं आरोपों को लेकर चम्पारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरकिशोर राय ने पूरे मामले की जांच का आदेश एसपी को दिया था। इस बीच पीड़ित परिवार का आरोप है कि डीआईजी द्वारा जांच का निर्देश दिए जाने के बाद उसी रात पुलिस ने बिना सर्च वारंट उनके घर पर दबिश दी, अभद्र व्यवहार किया और पूरे परिसर की तलाशी ली। परिवार का दावा है कि पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड है। सुरक्षा और न्याय की मांग को लेकर परिवार ने पटना हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है। परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि राजन प्रसाद नामक व्यक्ति बंजरिया थानाध्यक्ष के नाम पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए रुपये की मांग कर रहा था। इन आरोपों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। उधर, बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह के कार्यकाल को लेकर एक पुराना मामला भी चर्चा में है। आरोप है कि बेगूसराय में पदस्थापना के दौरान उन पर भयादोहन (एक्सटॉर्शन) के आरोप लगे थे। उस समय तत्कालीन पुलिस उप महा निरीक्षक कुमार आशीष द्वारा उनके निलंबन और विभागीय कार्रवाई की बात कही गई थी। हालांकि, उस कथित विभागीय कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। प्रशिक्षु डीएसपी द्वारा जुटाए गए दस्तावेज, स्थानीय लोगों के बयान और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच रिपोर्ट तैयार कर वरीय अधिकारियों को सौंपी जाएगी। वहीं, बंजरिया थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार किया है। अमित कुमार सिंह के नाम पर वसूली करने वाले राजन प्रसाद का वायरल ऑडियो पर विस्तृत रिपोर्ट अगले अंक मे जारी किया जायेगा।

# गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता : बीईओ

**खेलकूद, अनुशासन एवं विद्यालय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने पर सीआरसी संचालकों की समीक्षा बैठक**

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के प्रखंड संसाधन केंद्र, चकिया में शुक्रवार को प्रखंड संसाधन केंद्र से जुड़े सभी सीआरसी संचालकों एवं समन्वयकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) जयश्री ने की। बैठक में विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेलकूद गतिविधियों के विस्तार, अनुशासन बनाए रखने तथा विद्यालय प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ करने को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए बीईओ जयश्री ने कहा कि सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही विद्यालय शिक्षा समिति एवं विद्यालय प्रबंधन समिति को अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के विकास का मजबूत आधार है और इस दिशा में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। सभी शिक्षकों एवं समन्वयकों से उन्होंने अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए शिक्षित एवं विकसित बिहार के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राओं की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए सरकार विभिन्न खेलकूद कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। प्रखंड संसाधन केंद्र, चकिया के विद्यालयों से खिलाड़ियों का चयन किया जा चुका है, जो बाबूलाल साह कन्या उच्च विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। बैठक के दौरान सीआरसी संचालकों एवं समन्वयकों ने विद्यालय संचालन से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को रखा। इस पर बीईओ ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।बैठक में राजेश कुमार गुप्ता, मुहम्मद इमरान आलम, मुहम्मद गुफरान आलम, रजनी कुमारी, राजीव नयन सिंह, उमेश यादव, मनीष कुमार, शशि शेखर, रंजू कुमारी, राम भरोस सहनी, रंजन कुमार तथा मुहम्मद साजिद हुसैन सहित सभी सीआरसी संचालक एवं समन्वयक उपस्थित रहे।

## मनरेगा की सुस्त रफ्तार पर डीडीसी सख्त, एक सप्ताह में ई-केवाईसी, जियो टैगिंग और लंबित योजनाएं पूरी करने का अल्टीमेटम

बीएनएम@ मोतिहारी

मनरेगा योजनाओं की धीमी प्रगति पर उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने शुक्रवार को अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। उक्त समीक्षा बैठक में कई प्रखंडों की खराब उपलब्धि पर नाराजगी जताते हुए सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर ई-केवाईसी, जियो टैगिंग और लंबित योजनाओं का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीडीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि जिले में मानव दिवस सृजन की उपलब्धि महज 74.65 प्रतिशत है, जबकि राज्य का औसत 153.72 प्रतिशत है। सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों में संग्रामपुर, पहाड़पुर, बनकटवा, अरेराज, मेहसी, कोटवा और पताही शामिल हैं। सभी प्रखंडों को कम से कम 75 प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का लक्ष्य दिया गया। समीक्षा में यह भी सामने आया कि जिले के 3.89 लाख सक्रिय मजदूरों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है, जबकि 56,501 मजदूरों का ई-केवाईसी लंबित है। डीडीसी ने सभी लंबित मामलों का निपटारा एक सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया। जियो टैगिंग की समीक्षा में प्रथम चरण के 16, द्वितीय चरण के 1740 और तृतीय चरण के 2418 मामले लंबित पाए गए। तृतीय चरण में सबसे अधिक लंबित मामले पहाड़पुर, कल्याणपुर, पकड़ीदयाल, रामगढ़वा, केसरिया, बनकटवा, घोड़ासहन, मोतिहारी और चिरैया प्रखंडों में हैं। अधिकारियों को सभी लंबित जियो टैगिंग कार्य समय सीमा के भीतर पूरा करने को कहा गया।बैठक में यह भी बताया गया कि मनरेगा के तहत शुरू की गई 7.69 लाख योजनाओं में अब तक केवल 4639 योजनाएं ही पूरी हो सकी हैं, जो 0.60 प्रतिशत उपलब्धि है। डीडीसी ने कार्य योजना बनाकर कम से कम 90 प्रतिशत अपूर्ण योजनाओं को जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 के वृक्षारोपण अभियान में 2628 योजनाओं के लक्ष्य के मुकाबले अब तक केवल 164 योजनाएं शुरू हो सकी हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप एक सप्ताह के भीतर नई योजनाएं शुरू करने का निर्देश दिया।

# 18 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

**डीएलएसए सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, बैंक, ट्रैफिक चालान, ग्राम कचहरी व न्यायालय से जुड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन पर जोर**

बीएनएम@ मोतिहारी

आगामी 18 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित करने को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पूर्वी चंपारण के सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को सभी संबंधित कार्यपालक पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अधिक से अधिक मामलों के सुलह-समझौते के आधार पर निष्पादन के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। वहीं बैठक में बैंक, न्यायालय, ग्राम कचहरी तथा ट्रैफिक चालान से संबंधित मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षों को समय पर नोटिस तामिला कराने पर विशेष बल दिया गया, ताकि अधिकाधिक मामलों का निपटारा राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सहमति से किया जा सके। इधर ट्रैफिक चालान मामलों

के निष्पादन के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी को निर्देश दिया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान बापू सभागार में गठित होने वाली बेंच के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करें। वहीं, ग्राम कचहरी से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए जिला पंचायती राज पदाधिकारी को सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों की बैठक कर लंबित वादों की पहचान एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीएलएसए सचिव ने बैठक में मौजूद अधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत को जनहित में प्रभावी वैकल्पिक विवाद निस्तारण मंच बताते हुए अधिकाधिक मामलों को लोक अदालत में भेजने तथा सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी राम जन्म पासवान, माप-तौल पदाधिकारी अजय कुमार, रेंज पदाधिकारी (वन्य) अमर कुमार, श्रम पदाधिकारी अमर ज्योति, जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण ने आमजनों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अपने विवादों का शीघ्र, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करने का लाभ उठाएं।

## जनता दरबार में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 68 मामलों की हुई सुनवाई

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम में जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 68 आवेदकों की समस्याओं की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के निर्देश पर एडीएम (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों ने आवेदनों पर सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम (लोक शिकायत) ने कहा कि सभी आवेदनों का संबंधित विभागों के माध्यम से त्वरित एवं विधिसम्मत निष्पादन सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि फरियादियों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण एवं राजस्व विभाग से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए तथा प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करने का निर्देश दिया गया। जनता के दरबार में आयोजित इस कार्यक्रम में एडीएम (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह, वरीय उप समाहर्ता निधि कुमारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## गोलीकांड के फरार नामजद अभियुक्त को बीजधरी पुलिस ने दबोचा, गुप्त सूचना पर हुई गिरफ्तारी

बीएनएम@ मोतिहारी

बीजधरी थाना क्षेत्र के सुंदरापुर गांव में गोली मारकर हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे नामजद अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने लंबे समय से फरार अभियुक्त को दबोचने में सफलता हासिल की। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि बीजधरी थाना कांड संख्या 79/26, दिनांक 21 जून 2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109/3(5) एवं आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में फरार प्राथमिक अभियुक्त रजनीश राय उर्फ टुनटुन राय, पिता स्वर्गीय जोगिंदर यादव, निवासी सुंदरापुर, थाना बीजधरी, जिला पूर्वी चंपारण को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

# मोतिहारी के सभी वार्डों में खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत शुरू, नई लाइट लगाने के लिए जल्द निकलेगी निविदा

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर में बेहतर, सुरक्षित और सुगम प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम ने सभी वार्डों में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत का अभियान शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई महापौर प्रीति कुमारी के निर्देश पर की जा रही है, जबकि पूरे अभियान की नियमित समीक्षा नगर आयुक्त आशीष कुमार कर रहे हैं, ताकि कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा हो सके। महापौर प्रीति कुमारी ने सभी वार्ड पार्षदों से अपने-अपने क्षेत्रों में खराब स्ट्रीट लाइटों की जानकारी संबंधित मरम्मत एजेंसी को उपलब्ध कराने और कार्य शीघ्र पूरा कराने में सहयोग करने की

अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि एजेंसी की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब किया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल नगर निगम कार्यालय को दी जाए, ताकि संबंधित एजेंसी के

खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सके। महापौर श्रीमती कुमारी ने बताया कि जिन स्थानों पर विद्युत पोल लगे हैं, लेकिन अब तक स्ट्रीट लाइटें नहीं लगाई गई हैं, वहां जल्द ही निविदा जारी की जाएगी। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद ऐसे सभी स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से नई स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में बेहतर और सुरक्षित प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराना है, ताकि रात के समय नागरिकों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने क्षेत्र में खराब या अनुपलब्ध स्ट्रीट लाइटों की सूचना नगर निगम को दें, जिससे त्वरित कार्रवाई कर समस्या का समाधान किया जा सके। नगर निगम के अनुसार, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और नई लाइटों के अधिष्ठापन कार्य की लगातार निगरानी की जा रही है। निगम का प्रयास है कि सभी वार्डों में जल्द से जल्द आवश्यक मरम्मत और नई स्ट्रीट लाइटों की स्थापना कर शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

## संक्षिप्त समाचार

### पेंशनधारियों के लिए जीवन प्रमाणीकरण की अंतिम तिथि 14 अगस्त तक बढ़ी

**1 लाख से अधिक लाभुकों की पेंशन लंबित**

**बीएनएम@ गयाजी** : जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, गया ने सभी पेंशनधारियों से अपील की है कि जिन लाभुकों ने अब तक जीवन प्रमाणीकरण नहीं कराया है, वे नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) पर जाकर निःशुल्क यह प्रक्रिया पूरी कराएं। सहायक निदेशक ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 22 दिसंबर 2025 से सीएससी के माध्यम से यह सुविधा निःशुल्क दी जा रही है, और जीवन प्रमाणीकरण कराने वाले लाभुकों को ही पेंशन का भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में गया जिले के 1,16,079 पेंशनधारियों का प्रमाणीकरण लंबित होने के कारण राशि रुकी हुई है, जिसे शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए अंतिम तिथि बढ़ाकर 14 अगस्त 2026 कर दी गई है। प्रशासन ने सभी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से अपील की है कि वे पात्र पेंशनधारियों को जागरूक कर इस कार्य में सहयोग करें ताकि समय पर बैंक खाते में पेंशन राशि का भुगतान हो सके।

### समाहरणालय में आधुनिक जन प्रतीक्षालय का उद्घाटन

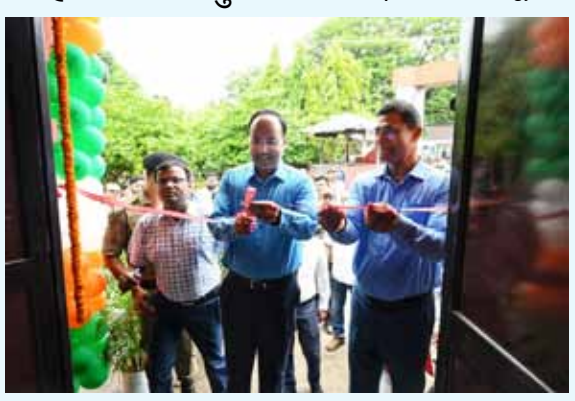

**बीएनएम@ गयाजी**। आम नागरिकों को बेहतर सुविधा और समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से डीएम शशांक शुभंकर ने समाहरणालय परिसर में नवनिर्मित प्रतीक्षालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि दूर-दराज से आने वाले फरियादियों, महिलाओं और बच्चों को सम्मानजनक वातावरण मिले। एसी, पंखे, शुद्ध पेयजल और शौचालय से सुसज्जित इस प्रतीक्षालय में ऑपरेटर और अधिकारी नियमित रूप से उपस्थित रहकर आवेदनों की ऑनलाइन स्थिति की जानकारी देंगे, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।डीएम ने बताया कि अधिकारी और वे खुद प्रतिदिन इसका निरीक्षण कर लोगों की समस्याएं सुनेंगे। साथ ही, यहाँ सरकारी योजनाओं की जानकारी और परिवहन विभाग का सहायता डेस्क भी बनाया गया है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

### श्यामा सरोवर पार्क में पार्किंग निर्माण का विरोध

**वॉकर्स और स्थानीय लोगों ने डीएम से लगाई गुहार**

**बीएनएम@ शेखपुरा**. शेखपुरा के चर्चित श्यामा सरोवर पार्क में सर्किट हाउस के लिए पार्किंग यार्ड निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों और मॉर्निंग वॉक करने वालों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि शहर में पहले से ही पार्कों की कमी है और यह प्रमुख सार्वजनिक पार्क आम जनता के लिए राहत का एकमात्र केंद्र है। पार्किंग निर्माण के कारण पार्क की हरियाली और पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, तथा इसके लिए बड़े-बड़े पेड़ भी हटाए गए हैं।समाजसेवी सनोज पासवान, अरुण कुमार, मुकेश यादव और डॉ. मणिकांत कुमार सहित कई लोगों ने जिलाधिकारी से इस निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। लोगों का तर्क है कि यदि पार्क की जमीन का उपयोग अन्य कार्यों के लिए होता रहा, तो खुले स्थानों का संकट और गहरा जाएगा। वहीं, वन विभाग के रेंजर अरविंद कुमार ने स्पष्ट किया है कि हटाए गए पौधों को अन्यत्र पुनर्रोपित किया जाएगा। पूर्व में भी इस संबंध में आवेदन दिया जा चुका है, और अब सबकी नजरें जिला प्रशासन के अगले निर्णय पर टिकी हैं।

### डीएम ने 41 फरियादियों की समस्याएं सुनीं

**बीएनएम@ शेखपुरा**. जिला पदाधिकारी शेखर आनंद की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में 'सबका सम्मान, जीवन आसान' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दूर-दराज से पहुंचे 41 फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखीं। आवेदनों में सड़क दुर्घटना मुआवजा, जमीन परिमार्जन व मापी, बिजली बिल सुधार, पेयजल, प्राथमिकी, रास्ता निर्माण, मृत्यु प्रमाण पत्र, नाली सफाई और राशन कार्ड जैसे मामले शामिल थे। इसके अलावा वृंदावन पहाड़ को विरासत सूची में शामिल करने, सिंचाई बोरिंग तक बिजली तार लगवाने और घाटकोसुम्भा उच्च विद्यालय की गिरी बाउंड्री की जांच की मांग भी उठी।जिला पदाधिकारी ने सभी की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष जांच कर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी को भी चक्कर न लगाना पड़े। इस दौरान जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।

### मनीपुर गांव में पेयजल संकट गहराया

**ग्रामीणों ने डीएम से स्थायी समाधान की मांग**

**बीएनएम@ शेखपुरा**. अरियरी प्रखंड के मनीपुर गांव के दर्जनों ग्रामीण लंबे समय से चले आ रहे गंभीर पेयजल संकट से परेशान होकर शुक्रवार को समाहरणालय पहुंचे और जिला पदाधिकारी को आवेदन सौंपकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कई चापाकल लंबे समय से खराब पड़े हैं और जलापूर्ति की भी कोई समुचित व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण उन्हें पीने के पानी के लिए दूर-दराज के इलाकों में भटकना पड़ रहा है।भीषण गर्मी के बाद अब बारिश के मौसम में भी राहत न मिलने से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने खराब चापाकलों की तत्काल मरम्मत कराने, नए चापाकल लगवाने और स्थायी जलापूर्ति बहाल करने की गुहार लगाई है, ताकि उन्हें इस संकट से जल्द राहत मिल सके।

# उत्तर बिहार में भारी बारिश का अलर्ट, दक्षिण बिहार में हल्की फुहारों के आसार

प्रातः आवाज

**पटना**। बिहार में शुक्रवार को मौसम का मिजाज दो हिस्सों में बंटा नजर आया, जहां उत्तर बिहार और सीमांचल के जिलों में मानसून पूरी तरह सक्रिय है, वहीं दक्षिण बिहार में बारिश की रफ्तार धीमी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने नेपाल से सटे सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, मधुबनी और सुपौल जिलों में भारी वर्षा, मेघगर्जन और वज्रपात की चेतावनी जारी की है, जिससे जलभराव और स्थानीय स्तर पर बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।राजधानी पटना सहित दक्षिण बिहार के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहने के बावजूद केवल हल्की बारिश या छिटपुट बूंदाबांदी का ही अनुमान है। इसके अलावा राज्य के कई अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों ने खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है।

**पटना समेत दक्षिण बिहार में छाए रहेंगे बादल,छिटपुट बूंदाबांदी के बीच येलो अलर्ट जारी**

- नेपाल से सटे जिलों में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी
- मौसम विभाग ने लोगों से की सतर्क रहने की अपील

# एसएसबी व एनजीओ की सतर्कता से नेपाल ले जाई जा रही 16 वर्षीय किशोरी बचाई, मानव तस्करी की आशंका में युवक गिरफ्तार

बीएनएम@ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 47वीं वाहिनी एसएसबी की मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू) और सामाजिक संस्थाओं की सतर्कता से एक संभावित मानव तस्करी की घटना को समय रहते विफल कर दिया गया। संयुक्त टीम ने मैत्री ब्रिज के पास नेपाल जाने के दौरान एक 16 वर्षीय किशोरी को सुरक्षित बचाते हुए उसके साथ मौजूद युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, एएचटीयू 47वीं वाहिनी एसएसबी, बीआईटी टीम एसएसबी, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर (पूर्वी चंपारण) एवं स्वच्छ रक्सौल संस्था की संयुक्त टीम ने संदेह के आधार पर एक युवक और उसके साथ जा रही किशोरी को रोककर पूछताछ की। दोनों के बयानों में विरोधाभास मिलने पर किशोरी की काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग में खुलासा हुआ कि किशोरी पूर्वी चंपारण जिले की रहने वाली है और उसकी उम्र करीब 16 वर्ष है। उसने बताया कि लगभग एक वर्ष पहले स्नैपचैट के माध्यम से उसकी पहचान पूर्वी चंपारण निवासी शिवम केशरी से हुई थी। आरोपी ने प्रेम और विवाह का झांसा देकर उसे अपने प्रभाव में लिया तथा नेपाल में नौकरी दिलाने और साथ रहने का लालच देकर घर से भागने के लिए तैयार किया। किशोरी ने बताया कि 22 जुलाई 2026 की रात वह बिना परिवार को बताए घर से निकली और मोतिहारी बस स्टैंड पहुंची, जहां से दोनों रक्सौल पहुंचे। वहां से वे काठमांडू (नेपाल) जाने की कोशिश कर रहे थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी ने पहचान छिपाने और पुलिस की नजरों से बचने के लिए किशोरी को बुर्का पहनने की सलाह दी थी, जिसकी पुष्टि आरोपी ने भी की। मामले की गंभीरता और संभावित मानव तस्करी की आशंका को देखते हुए संयुक्त टीम ने किशोरी को सुरक्षित संरक्षण में लिया तथा आरोपी शिवम केशरी को हरैया थाना, रक्सौल के सुपुर्द कर दिया। इस संबंध में हरैया थाना कांड संख्या 104/2026 (दिनांक 23 जुलाई 2026) दर्ज किया गया है। प्राथमिकी प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के अभिषेक कुमार के लिखित आवेदन पर दर्ज हुई है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। इस सफल रेस्क्यू अभियान में एएचटीयू, 47वीं वाहिनी एसएसबी के हवलदार अरविंद द्विवेदी, महिला सिपाही विभा कुमारी एवं राजन कुमारी, बीआईटी एसएसबी के हवलदार सरना बसु, महिला सिपाही कामिनी और शबनम कुमारी, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर की आरती कुमारी एवं अभिषेक कुमार तथा स्वच्छ रक्सौल संस्था के रणजीत सिंह और साबरा खातून की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# बाइक और ई-रिक्शा की टक्कर में सात घायल,चालक फरार

प्रातः आवाज

**शेखपुरा**. शेखपुरा-शेखोपुरसराय मुख्य मार्ग पर नगर थाना क्षेत्र के जमालपुर स्थित सोतवा पुल के पास तेज रफ्तार बाइक और ई-रिक्शा की जोरदार टक्कर में सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बाइक सवार मौके पर अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बाइक चालक शराब के नशे में था और लापरवाही से 'लहरिया कट' बाइक चला रहा था, जिसके कारण यह भीषण दुर्घटना हुई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और ई-रिक्शा का अगला पहिया टूट गया। घायलों में चेवाड़ा निवासी शांति देवी, अमानतपुर गांव की ललिता देवी, देवरा गांव की शिक्षिका नेहा कुमारी, जमालपुर निवासी आकृति देवी, कालोना देवी, करिहो निवासी ई-रिक्शा चालक अजीत कुमार और एक अन्य युवक शामिल हैं। इनमें कुछ महिलाएं स्कूल ड्यूटी पर जा रही थीं, जबकि कुछ मटोखर दह पूजा करने जा रही थीं।सूचना मिलते ही 102 ए एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की खबर मिलते ही नगर थाना के एएसआई अमित कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया। पुलिस फरार बाइक मालिक की तलाश कर रही है। वहीं, दूसरी ओर भोजडीह मोड़ के समीप भी एक अन्य ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर में तीन लोगों के घायल होने की सूचना मिली है।

### हाईकोर्ट के आदेश पर कठहा गांव में हटाया गया अतिक्रमण

**रास्ता चालू होने पर ग्रामीणों ने जताई खुशी**

**प्रातः आवाजः बगहाः** पटना उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड अंतर्गत कठहा गांव में सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने हटा दिया। अंचलाधिकारी नंदलाल राम और धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई, जहां जयप्रकाश पांडेय द्वारा सरकारी रास्ते पर किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर और पुलिस बल की मदद से मुक्त कराया गया।गांव के प्रहलाद कुमार द्वारा अतिक्रमण वाद संख्या 01/2026-27 दायर कर जमीन खाली कराने की मांग की गई थी। सीओ नंदलाल राम ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रास्ता पुनः चालू होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन के इस कदम पर संतोष जताया है। इस दौरान राजस्व कर्मी और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

# समाहरणालय में डीएम ने की 'प्रज्ञा शक्ति कार्यक्रम' की समीक्षा

- पोर्टल पर 6,718 बच्चों का पंजीकरण,
- स्वास्थ्य जांच और बेहतर समन्वय पर जोर

बीएनएम@ गयाजी

समाहरणालय सभागार में डीएम शशांक शुभंकर ने 'प्रज्ञा शक्ति कार्यक्रम' की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, आईसीडीएस, समाज कल्याण विभाग और यूनिसेफ के अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि एनआईसी द्वारा विकसित पोर्टल पर अब तक 6,718 बच्चों का सर्वेक्षण और पंजीकरण हो चुका है। डीएम ने 10 से 19 वर्ष के किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण को प्राथमिकता देने, बच्चों का अतिगंभीर, मध्यम व साधारण श्रेणियों में वर्गीकरण करने और सभी मामलों में विभागों के बीच आपसी समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की पहचान के साथ उन्हें समय पर स्वास्थ्य, पोषण और परामर्श सेवाएं देना है। यूनिसेफ की टीम घर-घर जाकर अभिभावकों से फीडबैक लेगी, जबकि कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक कोर ग्रुप का गठन किया जाएगा। डीएम ने सभी विभागों से संवेदनशीलता के साथ कार्य कर बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने की अपील की।

# फ्लैग मार्चः नीट विवाद के मद्देनजर हरसिद्धि में पुलिस अलर्ट, सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की कड़ी नजर

बीएनएम@ हरसिद्धि

देशभर में नीट परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद के मद्देनजर हरसिद्धि पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। शुक्रवार को अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने हरसिद्धि थाना क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च एवं सघन गश्त कर आम लोगों को शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। फ्लैग मार्च के दौरान अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी, पर्यवेक्षी अधिकारी इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह, प्रभारी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय लोगों और व्यापारियों से संवाद कर अफवाहों से दूर रहने की अपील की। अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि कुछ असामाजिक एवं शरारती तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए हैं और पुलिस लगातार क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए है। इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि हरसिद्धि बाजार, सिसवा, घीवाढार, मटियरिया और मानिकपुर समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर पुलिस टीमों ने गश्त की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक संदेश पर विश्वास न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। प्रशासन ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप ग्रुप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए हैं। भ्रामक, उकसाऊ अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली पोस्ट करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों ने पुलिस के फ्लैग मार्च का स्वागत करते हुए कहा कि इससे लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शांति भंग करने या अफवाह फैलाने वालों के साथ किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

# आर.एस.बी. इंटर स्कूल में साइबर अपराध जागरूकता कार्यशाला आयोजित

- डीएम और एसपी ने छात्रों को दिए सुरक्षा के टिप्स

प्रातः आवाज

**समस्तीपुर**। साइबर अपराधों से बचाव के लिए समस्तीपुर के आर.एस.बी. इंटर स्कूल में जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा और पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। डीएम ने कहा कि डिजिटल युग में थोड़ी सी असावधानी भी भारी नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का उपयोग पूरी जिम्मेदारी से करना चाहिए और किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए।एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी ठगी, फर्जी निवेश और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों से आगाह करते हुए किसी के साथ भी पिन या पासवर्ड साझा न करने की सलाह दी। उन्होंने ठगी होने पर तुरंत नेशनल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने की बात कही। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, मजबूत पासवर्ड और ऑनलाइन लेनदेन से जुड़ी सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# प्लस टू उच्च विद्यालय के सामने मुख्य सड़क बनी तालाब

**जान जोखिम में डालकर आने-जाने को विवश छात्र और ग्रामीण**

प्रातः आवाज

**योगापट्टी** : योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के नवलपुर पंचायत के वार्ड नंबर पांच स्थित प्लस टू राजकीयकृत बाबा कमला दास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रवेश द्वार के सामने मुख्य सड़क जलजमाव के कारण तालाब में तब्दील हो गई है। मुख्य सड़क का यह हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे बाजार जाने वाले ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।विद्यालय के ठीक सामने सड़क पर पानी भरने के कारण छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल आना पड़ता है। सड़क की मरम्मत की मांग कर रहे ग्रामीण साफिर आलम, विकास कुमार, दीपू गुप्ता, दीनदयाल चौधरी, रामशंकर प्रसाद, दिलीप कुशवाहा और सुरेश प्रसाद ने बताया कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर है और बरसात में जलाशय का रूप ले लेती है। पूर्व में भी कई बार यह मुद्दा उठाया गया, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं, इस मामले पर पंचायत के मुखिया ने बताया कि योजना पास हो चुकी है और जल्द ही पीसीसी निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

## जैसा रास्ता, वैसी मंजिल!

**वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति औसत आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है, जिससे वे उच्च मध्यम आय वर्ग में पहुंच गए हैं। भारत अभी इस मंजिल से कोसों दूर है। विश्व बैंक ने बीते हफ्ते वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन को उच्च-मध्यम आय वर्ग वाली देशों की श्रेणी में डाल दिया, जबकि जाहिर हुआ कि भारत अभी इस मंजिल से बहुत दूर है। "सबसे तेजी से उठती अर्थव्यवस्था" और "विकसित भारत" की कहानियों में यकीन करने वाले समूहों में इस खबर से बड़ी बेचैनी देखी गई है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर देशों की श्रेणी बनाता है। 1,176 से 4,635 डॉलर प्रति व्यक्ति औसत आय वाले देशों को निम्न मध्य आय वर्ग में रखा जाता है। वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है। जबकि भारत अभी 2,760 डॉलर तक ही पहुंच पाया है। अपने यहां सबसे ज्यादा व्यग्रता इस तथ्य से पैदा हुई है कि वियतनाम भारत के दो साल बाद यानी 2009 में निम्न मध्यम वर्ग आय श्रेणी में पहुंचा था। उसके 17 साल बाद अगली श्रेणी में जा पहुंचा है। जबकि डेमोग्रैफिक डिविडेंड, बड़े उपभोक्ता बाजार और दूरदर्शी नेतृत्व आदि जैसी कथाओं में खोये भारत के सामने मिडल इनकम ट्रैप में फंसे रह जाने की परिस्थिति आ खड़ी हुई है। यहां जानबूझ कर निर्मित निराधार कहानियों ने मानव विकास की उपेक्षा, अनुसंधान एवं विकास की अनदेखी, कारोबार के रास्ते में मौजूद रुकावटों से बेपरवाही तथा आर्थिक और वित्तीय शक्तियों के कुछ घरानों में केंद्रित होते चले जाने की हकीकत पर परदा डाले रखा है। दूसरी तरफ वियतनाम ने प्रशिक्षित श्रमिक वर्ग तैयार किया, जिससे 'चाइना+1' का दौर आने पर उसका लाभ उठाने में वह सफल हुआ। वह मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और निर्यात उन्मुख नीतियों पर अमल करने में कामयाब हुआ। नतीजतन, वहां लाखों नई नौकरियां पैदा हुईं, जिनसे आम जन की आमदनी बढ़ी। फिलीपीन्स पश्चिमी कंपनियों की जरूरत के मुताबिक सेवा प्रदान करने के ढांचे की बदौलत आगे बढ़ा है, तो चार साल पहले व्यापक अस्थिरता का शिकार हुआ श्रीलंका फिर से विकास मार्ग पर चल निकला है। इसके विपरीत भारत के नीति-निर्माता वर्तमान की बलि चढ़ा कर अतीत के गौरव की तलाश में मग्न रहे हैं, तो उसके परिणाम से हम कैसे बच सकते हैं!**

# जेनरेशन-ज़ेड ने हिलाई लुटियंस दिल्ली

**श्रुति व्यास**

मैंने सोमवार सुबह यह गलत लिखा कि भारत की जेनरेशन-ज़ेड राजनीति से उदासीन है, डरपोक तरुणाई है और व्यवस्थापरस्त है। लेकिन सोमवार को ही नई दिल्ली की लुटियंस दिल्ली की सड़कों ने मेरा भ्रम चकनाचूर कर दिया। चार-चार परतों वाली बैरिकेडिंग, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और दिल्ली-त्रिपुरा आदि की पुलिस के हजारों जवानों, दंगा-रोधी वाहन, नाकाबंदी, बंद मेट्रो स्टेशन और बाधित इंटरनेट के बावजूद युवाओं का जनसैलाब अकल्पनीय था। मैंने सोचा था कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उठवा कर सरकार ने 20 जुलाई के प्रदर्शन को फुस्स कर दिया है। पर आज प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी जान गए होंगे कि जिस युवापीढ़ी को वे अपना 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' मानते थे, वही अब जज़्बाती गुस्से में है। मैं सुबह साढ़े दस बजे से शाम पाँच बजे तक संसद भवन के इर्द-गिर्द, रिज़र्व बैंक के आसपास, पटेल चौक, संचार भवन, जंतर-मंतर, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और रायसीना रोड पर उस युवा जोश से रूबरू थी, जिसमें लड़कों से अधिक लड़कियाँ गुस्से में दिखीं। पुलिस से लड़कियाँ न केवल भिड़ रही थीं, बल्कि वे मीडिया से भी बेबाकी से बोल रही थीं। पुलिसकर्मियों से वे पूछ रही थीं, "क्या तुम्हारे बेटे-बेटियाँ नहीं हैं?"

ऐसा दिन न अन्ना आंदोलन के समय था और न निर्भया आंदोलन के समय। जबकि आज पूरा दिन उमस से भरा था। इतनी उमस कि कपड़े शरीर से चिपक जाएँ। बादल बरसते, फिर धूप निकल आती, फिर बारिश लौट आती। लेकिन मौसम जितना भारी था, पुलिस बंदोबस्त जितने भारी थे युवाओं का उत्साह उससे कहीं अधिक था। समय बीतने के साथ भीड़ कम नहीं हुई, वह लगातार बढ़ती गई। जंतर-मंतर की ओर आने वाली लगभग हर सड़क छात्रों और युवाओं से भरी थी। नारे गूंज रहे थे। जोश, हिम्मत साफ महसूस हो रही थी। यदि कोई पूछता कि "हाउ इज़ द जोश?", तो जवाब दिल्ली की सड़कें खुद दे रही थीं—"हाई।" प्रदर्शन में केवल दिल्ली का ही युवा नहीं था। देश के अलग-अलग हिस्सों से छात्र पहुंचे थे। मेरी मुलाकात जयपुर से आए कुछ युवाओं से हुई, जो सिर्फ मार्च में शामिल होने नहीं, बल्कि एकजुटता जताने आए थे। पंजाब, मुंबई, हरियाणा और कई दूसरे राज्यों से भी छात्र पहुंचे थे। भीड़ में इंजीनियर थे, डिजाइनर थे, एमबीए के छात्र थे, कानून पढ़ने वाले थे, किसान परिवारों के युवा थे। कई पहली बार दिल्ली आए थे। वे सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने नहीं, बल्कि अपनी आवाज़ सुनाने आए थे। भीड़ में मेरी मुलाकात दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेज़ी में स्नातक कर चुकी रागिनी से हुई। वह पुलिस की बैरिकेडिंग के ठीक बाहर खड़ी थी। कुछ ही मिनट पहले महिला पुलिसकर्मी उसे घसीट कर वहां तक लाई थीं। उसके छोटे-छोटे हाथों की त्वचा अब भी लाल पड़ी थी। कलाइयों पर उभरते नीले निशान साफ दिखाई दे रहे थे। लेकिन उसके चेहरे पर डर नहीं था। उल्टा, जैसे उस टकराव ने उसके इरादे को और धार दे दी हो। बात करते हुए वह अनमने ढंग से अपनी उंगलियां मोड़ती-खोलती रही, मानो दर्द अब उसके लिए मायने ही नहीं रखता। आंखों में आग थी, आवाज़ में ज़रा भी कंपन नहीं। वह मयूर विहार से प्रदर्शन देखने नहीं आई थी। वह उसका हिस्सा बनने आई थी रागिनी ने बताया कि जिस मास्टर्स कोर्स में वह दाखिला लेना चाहती है, उसमें सामान्य वर्ग के लिए अब केवल 18 सीटें बची हैं। जिस एनसीसी मार्ग से आगे बढ़ने की उसने योजना बनाई थी, उसके पात्रता नियम भी बदल दिए गए हैं। और अगर वह अभी नौकरी करने लगे, तो मुश्किल से बारह हजार रुपये महीने कमा पाएगी।"आप ही बताइए," उसने मुझसे पूछा, "ग्रेजुएट होकर भी सिफ़र् बारह हजार कमाऊंगी?" फिर वह बोली, "नेता अपने बच्चों को विदेश पढ़ने भेजते हैं। आलीशान ज़िंदगी जीते हैं। हमारा क्या?" दोपहर तक रागिनी उस विशाल जनसमूह का सिफ़र् एक चेहरा रह गई थी, जो देश के अलग-अलग हिस्सों से राजधानी के दिल की ओर बढ़ रहा था। रागिनी अकेली नहीं थी। उसके जैसे सवाल पूरे प्रदर्शन में बार-बार सुनाई दे रहे थे। संसद मार्ग के बाहर मेरी मुलाकात उन कुछ दोस्तों से हुई, जो सिफ़र् एकजुटता जताने के लिए रातभर का सफ़र तय कर जयपुर से आए थे। पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से भी छात्र पहुंचे थे। कई तो सीधे रेलवे स्टेशन से अपने बैग कंधों पर लटकाए मार्च में शामिल हुए। उनमें से कई ने बताया कि यह उनके जीवन का पहला प्रदर्शन था। थोड़ी देर बाद मेरी मुलाकात हिमांशी से हुई। वह और उसकी सहेलियाँ आंसू गैस के गोले छोड़े जाने के बाद आगे बढ़ रही थीं। आँखें लाल थीं। हाथों और कलाइयों पर धक्का-मुक्की के निशान थे। लेकिन उनमें डर नहीं था। हिमांशी पिछले वर्ष ग्रेजुएशन कर चुकी है और फैशन इंडस्ट्री में काम करती है। उसके साथ काम करने वाली उसकी सहेलियाँ भी थीं। ढीली जींस, टी-शर्ट और सिर पर बंधे बैंडाना पहने ये युवा किसी राजनीतिक संगठन की पारंपरिक तस्वीर नहीं लग रहे थे। लेकिन बातचीत शुरू होते ही उनकी राजनीतिक चेतना साफ दिखाई देने लगी। वे भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और सरकार की कार्यशैली पर खुलकर सवाल उठा रहे थे।

कुछ ही दूरी पर एक प्रदर्शनकारी आइसक्रीम खाते हुए एक पोस्टर पकड़े खड़ा था, जिसमें पुराने मेलोडी चॉकलेट विज्ञापन का व्यंग्यात्मक रूपांतरण किया गया था। काले चश्मे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के नीचे लिखा था—"पेपर लीक कब बंद होगा? मेलोडी खाओ, खुद जान जाओगे।" राहगीर मुस्कुरा रहे थे, तस्वीरें खींच रहे थे। लेकिन उस हास्य के भीतर कड़वाहट इतनी गहरी थी कि उसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था। दूसरे पोस्टरों पर बस तीन मांगें लिखी थीं—नौकरियां, जवाबदेही और भविष्य। सांझ ढलते-ढलते एड्रेनालिन की जगह थकान ने ले ली। कपड़े भीग चुके थे। आवाज़ें बैठ चुकी थीं। दर्जनों छात्र हिरासत में लिए जा चुके थे। एक बैरिकेड के पास एक युवती चुपचाप फुटपाथ पर बैठी थी। उसके गले में एन-95 मास्क लटक रहा था। दोनों हाथों से उसने एक गत्ते का पोस्टर ऊपर उठा रखा था—"हम बोलते हैं क्योंकि हम अपने देश से प्यार करते हैं।" उसके आसपास कोई नारा नहीं था। कोई ढोल नहीं बज रहा था। बस पूरे दिन की उथल-पुथल के बीच एक छात्रा चुपचाप बैठी थी और हर बार किसी के गुज़रने पर अपना पोस्टर थोड़ा और ऊंचा उठा लेती थी। वह सिफ़र् एक पोस्टर नहीं था। वह विश्वास भी था। शाम तक सफ़र की थकान उनके चेहरों पर साफ़ दिखाई देने लगी थी। कई छात्र फुटपाथों और ट्रैफिक डिवाइडरों पर बैग को तकिया बनाकर और बैनरों को मोड़कर सिरहाना बनाकर लेट गए थे। कोई कुछ मिनट आंखें मूंद लेता, फिर अगला नारा गूंजते ही उठ खड़ा होता। कुछ लोग अनजान साथियों के साथ बिस्कुट के पैकेट और पानी की बोतलें बांट रहे थे। वे थके हुए थे। लेकिन हारे हुए नहीं। इस भीड़ ने एक और धारणा को तोड़ा। यहां सिफ़र् छात्र संगठन नहीं थे। इंजीनियरिंग के स्नातक थे, एमबीए की तैयारी करने वाले थे, फैशन डिज़ाइनर थे, वकील थे, युवा किसान थे। वे पढ़े-लिखे थे, सजग थे और उन्हें पूरी स्पष्टता थी कि वे यहां क्यों आए हैं। उनके बीच बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं भी खड़े थे, जो लगभग पूरी तरह युवाओं द्वारा खड़े किए गए इस आंदोलन को अपनी उपस्थिति से नैतिक बल दे रहे थे। भीड़ में ग़ुस्सा था, लेकिन अराजकता नहीं। पूरे प्रदर्शन में असहमति का एक उत्सव-सा जीवंत वातावरण था। नारों की लहरें उठती थीं, स्टील की थालियां ताल देती थीं, पैरोडी गीत सत्ता का मज़ाक उड़ाते थे और हज़ारों सिरों के ऊपर पोस्टर झूमते रहते थे। फिर अचानक पुलिस का लाठीचार्ज हुआ। आंसू गैस के गोले छोड़े गए। कुछ क्षणों के लिए नारे थम गए। सिफ़र् खांसी की आवाज़ें थीं, अगले गोले की सीटी थी और छात्र एक-दूसरे की आंखों में पानी डाल रहे थे। भीड़ धुएं में बिखर गई। लेकिन कुछ ही मिनटों बाद फिर उसी तरह जुड़ गई। किसी ने नया नारा लगाया। सैकड़ों आवाज़ें उसके पीछे उठ खड़ी हुईं। सोमवार को पूरे दिन संसद भवन का इलाका एक ऐसे युवा प्रतिरोध से गूंजा जिसे अनसुना करना असंभव था। दिलचस्प बात यह थी कि सोमवार को युवाओं की आवाज़ साफ बदली हुई थी। शुरुआत में मांग केवल केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक थी। लेकिन जैसे-जैसे भीड़ बढ़ी, नारों का निशाना सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचा। यह वही पीढ़ी है जिसे अक्सर देश का "डेमोग्राफिक डिविडेंड" कहा जाता है। सोमवार को उसी पीढ़ी का एक हिस्सा सत्ता से सीधे जवाब मांगता दिखाई दिया। दिन भर पुलिस की लाठी अलग-अलग जगह चली। आंसू गैस छोड़ी गई, हिरासत का डर बना, बारिश भी रुक-रुककर होती रही। लेकिन इन सबके बावजूद युवाओं का जोश न पस्त हुआ, न घटा। कई छात्र ऐसे मिले जिन्होंने घर पर बताए बिना दिल्ली आने का फैसला किया था, क्योंकि उन्हें पता था कि माता-पिता डर जाएंगे। वहीं कई ऐसे भी मिले, जिनके माता-पिता ने खुद उन्हें आने के लिए प्रोत्साहित किया था। उनका मानना था कि यदि भविष्य बेहतर बनाना है तो बदलाव की मांग उठनी ही चाहिए। जब मैं वहां से लौटी, तब तक जंतर-मंतर की भीड़ कम नहीं हुई थी। वह बस छोटे-छोटे समूहों में बंट गई थी। लौटते हुए मेरे मन में बार-बार रागिनी के घायल हाथ लौट रहे थे। हिमांशी की जलती आंखें लौट रही थीं। जयपुर से रातभर सफ़र करके आए वे दोस्त याद आ रहे थे। और फिर अनायास ही दिल्ली की वही दूसरी पीढ़ी याद आई, जिसने निर्भया आंदोलन के दौरान सड़कों को भर दिया था और सिफ़र् सरकार ही नहीं, पूरे देश को आईना देखने पर मजबूर किया था।

# जो शब्दों से सेतु बनाता रहे- प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध

**विवेक रंजन श्रीवास्तव**

-एक शांत साधक की उज्ज्वल विरासत

(25 जुलाई देहावसान की वार्षिकी पर विशेष) कुछ व्यक्तित्व समय के साथ समाप्त नहीं होते, वे समय का ही हिस्सा बन जाते हैं। उनका जीवन एक तिथि में सिमट सकता है, पर उनकी उपस्थिति नहीं। वे अपनी रचनाओं, अपने विचारों और अपने आदर्शों के रूप में पीढ़ियों तक संवाद करते रहते हैं। प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध ऐसे ही साहित्य-मनीषी थे। वे जितना बोले, उससे कहीं अधिक लिखा; और जितना लिखा, उससे कहीं अधिक जिया।

25 जुलाई केवल उनकी पुण्यतिथि नहीं है। यह उस साधना को प्रणाम करने का दिन है जिसने लगभग एक शताब्दी तक ज्ञान, संस्कार, साहित्य और मनुष्यता की लौ जलाए रखी। नियति ने उन्हें जन्मशती तक पहुँचने से कुछ ही महीने पहले अपने पास बुला लिया, किंतु शायद शताब्दी वर्षों से नहीं, कृतित्व से पूरी होती है। उस अर्थ में विदग्ध जी अपनी जन्मशती स्वयं अपने साहित्य में जी रहे हैं। वे उन विरल साहित्यकारों में थे जिनके व्यक्तित्व और कृतित्व के बीच कोई दूरी नहीं थी। आज जब शब्दों की चमक अक्सर जीवन की सच्चाई पर भारी पड़ जाती है, तब उनका जीवन विश्वास जगाता है कि साहित्य पहले आचरण में जन्म लेता है, बाद में कागज़ पर उतरता है। सादा जीवन और उच्च विचार उनके लिए कोई उपदेश नहीं था; वह उनकी सहज जीवन-शैली थी। सरल वेश, मितभाषी स्वभाव, अनुशासित दिनचर्या, निरंतर अध्ययन और निष्काम कर्म, यही उनकी पहचान थी। उन्होंने इतिहास को किताबों में नहीं, जीवन में पढ़ा था। स्वतंत्रता आंदोलन की आहट सुनी, औपनिवेशिक भारत की बेड़ियाँ देखीं, स्वतंत्र भारत का स्वप्न साकार होते देखा और विज्ञान तथा तकनीक से बदलती दुनिया का विस्मय भी जिया। घोड़े पर डाक लेकर आने वाले डाकिये से लेकर डिजिटल युग तक का यह परिवर्तन उनके अनुभव-संसार का हिस्सा था। इसलिए उनके साहित्य में अतीत की स्मृति है, वर्तमान की सजगता है और भविष्य के प्रति अटूट विश्वास भी।

उनकी रचनाओं को पढ़ते हुए सहज अनुभव होता है कि वे केवल कविता नहीं लिखते थे, वे मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को संबोधित करते थे। उनका राष्ट्रप्रेम किसी राजनीतिक आग्रह का परिणाम नहीं था; वह भारतीय संस्कृति की आत्मा से उपजा हुआ स्वाभाविक भाव था। उनका अध्यात्म संसार से विरक्ति नहीं, संसार के प्रति अधिक उत्तरदायी बनने की प्रेरणा था। उनकी प्रसिद्ध प्रार्थना माँ वीणापाणि इसका अप्रतिम उदाहरण है। उसमें वे अपने लिए वैभव, यश या सफलता नहीं माँगते। वे समस्त मानवता के लिए सद्बुद्धि, करुणा, शांति और लोकमंगल की कामना करते हैं। यह कविता वस्तुतः उनके समूचे जीवन-दर्शन का घोष है। वे मानते थे कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि ज्ञान है और ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य विश्व-कल्याण। उनकी साहित्य-साधना का एक विशिष्ट और स्थायी आयाम उनका अनुवाद-कर्म है। वे कहा करते थे—अनुवाद का काम दो भाषाओं का सेतु होता है और अनुवादक इस सेतु का निर्माणकर्ता। यह केवल कथन नहीं, उनकी आजीवन साधना का सार है। उन्होंने भगवद्गीता, मेघदूतम् और रघुवंशम् जैसे संस्कृत के अमर ग्रंथों का केवल भाषांतरण नहीं किया, बल्कि उनके प्राणों को हिंदी में प्रतिष्ठित किया। वे शब्दानुवाद के पक्षधर नहीं थे। उनका विश्वास था कि अनुवाद तभी सार्थक होता है जब अनुवादक मूल रचनाकार की संवेदना में प्रवेश कर उसकी आत्मा को दूसरी भाषा में पुनर्जन्म दे। इसी कारण उनके अनुवादों को विद्वानों ने परकाया प्रवेश की संज्ञा दी। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन अनुवाद के युग में उनका यह विचार और भी अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है कि शब्दों का स्थानांतरण तकनीक कर सकती है, पर भावों का संप्रेषण केवल संवेदनशील मनुष्य ही कर सकता है। भाषा का व्याकरण सीखा जा सकता है, पर भाषा की आत्मा साधना से ही प्राप्त होती है। प्रो. विदग्ध का साहित्य किसी एक विधा की सीमाओं में कैद नहीं है। कविता, निबंध, बाल साहित्य, शिक्षा, चिंतन, अनुवाद, संपादन—हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी चालीस से अधिक पुस्तकें केवल विपुल लेखन का प्रमाण नहीं हैं; वे उस निरंतर स्वाध्याय, आत्मानुशासन और कर्मनिष्ठा की साक्षी हैं, जो आज दुर्लभ होती जा रही है। आश्चर्य यह है कि इतना व्यापक साहित्य होते हुए भी उस पर गंभीर अकादमिक विमर्श अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाया। आज समय की माँग है कि विश्वविद्यालय और शोध संस्थान उनके साहित्य की ओर गंभीरता से देखें। प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव के साहित्य में राष्ट्रप्रेम, उनकी कविताओं में छायावादी संवेदना, उनके रचनाकर्म के आध्यात्मिक आयाम, संस्कृत से हिंदी पद्यानुवाद की उनकी विशिष्ट पद्धति, उनके बाल साहित्य का मूल्यबोध, उनके शैक्षिक चिंतन का समकालीन परिप्रेक्ष्य जैसे अनेक शोध-विषय नई पीढ़ी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनका साहित्य केवल पढ़े जाने के लिए नहीं, समझे और शोधे जाने के लिए भी लिखा गया है। उनका जीवन साहित्य से अलग नहीं था। शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया, जीवन का अनुशासन भी सिखाया। समाजसेवी के रूप में उन्होंने बिना किसी प्रचार के सेवा की। राष्ट्रधर्मी नागरिक के रूप में संकट की प्रत्येक घड़ी में अपनी जिम्मेदारी निभाई। और साहित्यकार के रूप में उन्होंने कभी लोकप्रियता का नहीं, प्रामाणिकता का मार्ग चुना। वे मंचों की चकाचौंध से दूर रहे, पर साहित्य के आकाश में उनका प्रकाश निरंतर फैलता रहा। उन्होंने स्वयं को नहीं, अपने लेखन को आगे रखा। शायद यही कारण है कि उन्हें जानने वाला प्रत्येक व्यक्ति पहले उनके व्यक्तित्व से प्रभावित हुआ, फिर उनके साहित्य से। आज जब साहित्य का बड़ा हिस्सा त्वरित प्रसिद्धि और क्षणिक चर्चाओं के आकर्षण से घिरा दिखाई देता है, तब प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध का संपूर्ण जीवन हमें यह सिखाता है कि साहित्य पुरस्कारों से नहीं, तप से जन्म लेता है; प्रसिद्धि से नहीं, प्रतिबद्धता से जीवित रहता है। उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर उन्हें स्मरण करना केवल श्रद्धांजलि देना नहीं है; यह उस परंपरा को नमन करना है जिसमें ज्ञान विनम्र होता है, साहित्य लोकमंगल के लिए होता है और शब्द मनुष्य को बेहतर बनाने का संकल्प लेते हैं। समय निरंतर आगे बढ़ेगा। नई पीढ़ियाँ आएँगी, नए विमर्श जन्म लेंगे, नई तकनीकें भाषा का स्वरूप बदल देंगी; किंतु जब भी हिंदी साहित्य में उन मनीषियों की चर्चा होगी जिन्होंने बिना शोर किए, बिना किसी आत्मप्रचार के, अपने समूचे जीवन को शब्दों की तपश्चर्या में अर्पित कर दिया, तब प्रो. चित्र भूषण श्रीवास्तव विदग्ध का नाम अत्यंत आदर और कृतज्ञता के साथ लिया जाएगा।




**मेष राशि** : आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं। आज किसी करीबी मित्र से मुलाकात सुखद और सुकून देने वाली रहेगी।आज रात को सबके साथ बाहर डिनर करने भी जा सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों को आज अपने काम में मुनाफा मिलेगा। वैवाहिक जीवन में आज सुख समृद्धि बनी रहेगी।

**वृष राशि** : आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

**मिथुन राशि** : आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

**कर्क राशि** : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

**सिंह राशि** : आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है। ससुराल पक्ष से आज शुभ समाचार मिलने का योग नजर आ रहा है।

**कन्या राशि** : आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी-सी पार्टी हो सकती है।

**तुला राशि** : आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा। आज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते है जिससे आज आप कुछ नया क्रिएटिव करेंगे।

**वृश्चिक राशि** : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इक्_ करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा ।

**धनु राशि** : आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। मशीनरी आदि से जुड़े कारोबार कर रहे लोग आज लाभदायक स्थिति में रहेंगे।

**मकर राशि** : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी।

**कुंभ राशि** : आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे। अगर व्यवसाय से जुड़ा कोई कोर्ट केस चल रहा है, तो आज उसे सुलझाने का आज सही समय है। स्टूडेंट को अपनी पढ़ाई में बेहतर परिणाम पाने के लिए अपने टाइम-टेबल में बदलाव करने की जरूरत है।

**मीन राशि** : आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बितेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। ऐसा करने से परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

# यह युवाओं में भरा हुआ गुस्सा है!

**अजीत द्विवेदी**

जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल और कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन एक सामान्य सी मांग को लेकर शुरू हुआ था। छह जून को अमेरिका से लौटे अभिजीत दीपके ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन का आयोजन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अमेरिका में रहते हुए एक सोशल मीडिया हैंडल बनाया था, जिसका नाम रखा था 'कॉकरोच जनता पार्टी'। बाद में इसके एक्स हैंडल को सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया तो 'कॉकरोच इज बैक' नाम से दूसरा हैंडल बनाया गया। सो, कुल मिला कर यह एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बना हैंडल है, जिसने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को मुद्दा बनाया था। 28 जून को वापस जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू करने से पहले दीपके ने महाराष्ट्र के अपने गांव से कई संदेश दिए और जयपुर व नागपुर में भी प्रदर्शन किया। हर जगह उन्होंने एक ही मुद्दा उठाया कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। यह विशुद्ध रूप से एक एक लोक लुभावन राजनीतिक नारा था और तभी इसे जमीनी स्तर पर बहुत समर्थन नहीं मिला। जिस तेजी से सोशल मीडिया हैंडल पर इसके फॉलोवर बढ़े थे वह तेजी दो दिन के बाद ही थम गई। छह जून के प्रदर्शन को सीमित सफलता मिली। दीपके तीन घंटे के प्रदर्शन के बाद बेहोश हो गए और एसी गाड़ी में बैठने चले गए। तब ऐसा कतई नहीं लगा था कि यह आंदोलन इतना बड़ा होगा और इससे देश भर के छात्र, युवा और उनके अभिभावक जुड़ जाएंगे। इसका श्रेय जाता है सोनम वांगचुक को। उन्होंने इस आंदोलन को एक व्यापक स्वरूप दिया। वे शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और उनकी अपनी एक नैतिक ताकत है। जैसे अन्ना हजारे की पहचान भ्रष्टाचार विरोधी समाजसेवी की थी वैसे ही सोनम वांगचुक की छवि एजुकेटर और इनोवेटर की है। इसलिए जब वे आंदोलन से जुड़े और उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ साथ शिक्षा व परीक्षा की ग़डबड़ियों को मुख्य मुद्दा बनाया तब इस आंदोलन का दायरा बढ़ गया। सरकार इस बात को समझने में नाकाम रही कि यह आंदोलन बहुत बड़ा हो गया है। वह इसकी तीव्रता और व्यापकता को जंतर मंतर पर जुड़ी भीड़ से माप रही थी। जबकि यह जंतर मंतर से ही नहीं, बल्कि सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी की सीमाओं से भी व्यापक हो गया है। जो लोग भी इसका आकलन जंतर मंतर की भीड़ से करेंगे वे धोखा खाएंगे। इस आंदोलन का दायरा पूरे देश में फैल



गया है। देश के अलग अलग हिस्सों में जितने लोग इस आंदोलन का समर्थन करने निकल रहे हैं उसके कई गुना ज्यादा लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसका समर्थन कर रहे हैं और उससे भी कई गुना ज्यादा लोगों के दिलों में इस आंदोलन को लेकर समर्थन का भाव पैदा हुआ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश का हर परिवार इससे अपने को जुड़ा हुआ पा रहा है। असल में हर राज्य में और हर तरह की परीक्षा में गड़बड़ी हो रही है। यह गड़बड़ी कई किस्म की है। कहीं समय से परीक्षा नहीं हो रही है, परीक्षा हो रही है तो पेपर लीक हो जा रहा है, नतीजों में देरी हो रही है, नतीजों जारी हो रहे हैं तो उनमें गड़बड़ी हो जा रही है, नतीजे आने के बाद भी नियुक्ति नहीं हो रही है और इस पूरी प्रक्रिया में हर साल लाखों बच्चों की उम्र सीमा निकल जा रही है। उसको भले यह नहीं लग रहा हो कि इस आंदोलन से उसकी समस्याओं का पूरा समाधान हो जाएगा फिर भी वह इसलिए इससे जुड़ रहा है क्योंकि उसे यह आंदोलन अपने संचित आक्रोश की अभिव्यक्ति प्रतीत हो रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी भले मई में बनी या सोनम वांगचुक भले शिक्षा का मुद्दा लेकर 28 जून को भूख हड़ताल पर बैठे परंतु छात्रों का मुद्दा मई या जून का नहीं है। पिछले कई बरसों से छात्र और युवा इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके अंदर बरसों से जो गुस्सा इक_ा हो रहा था वह इस आंदोलन में अभिव्यक्त हो रहा है। केंद्र सरकार इस आंदोलन को लेकर एक के बाद एक गलतियां करती जा रही है। सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी करना एक गलती थी तो दूसरी गलती पुलिस भेज कर उनको जंतर मंतर से उठवा लेने की थी। तीसरी गलती यह थी कि सरकार ने कोई बैक चैनल वार्ता नहीं की। सीधे जेपी नड्डा से 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रतिनिधियों की मुलाकात कराई गई। यह मुलाकात भी ऐसे समय में हुई, जब हजारों की संख्या में छात्र और युवा सड़क पर थे। उनके ऊपर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेताओं का कोई नियंत्रण नहीं था। इसलिए बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। चौथी गलती यह है कि सरकार छात्रों और युवाओं के आंदोलन को आपराधिक कृत्य बताने का नैरेटिव पुश कर रही है। पुलिस मुकदमे दर्ज कर रही है। सीसीटीवी देख कर आंदोलनकारियों की पहचान की जा रही है। मीडिया में फुटेज लीक करके यह नैरेटिव बनाया जा रहा है कि छात्रों ने पुलिस पर पत्थर फेंके या हमला किया। हो सकता है कि बाद में वार्ता में इसका मोलभाव के तौर पर इस्तेमाल किया जाए। लेकिन यह तय मानें कि छिटपुट घटनाओं को आधार बना कर युवाओं के स्वंयस्फूर्त आंदोलन की साख बिगाड़ने की कोशिश से सरकार की छवि सकारात्मक नहीं बनेगी। उलटे युवाओं में सरकार और भाजपा को लेकर नाराजगी और बढ़ेगी। ध्यान रहे इससे पहले हर आंदोलन में कुछ न कुछ हिंसा, तोड़फोड़ और आपराधिक कृत्य हुए। जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति के दौरान बडौदा डायनामाइट कांड हुआ था। इस सिलसिले में जॉर्ज फर्नांडीज गिरफ्तार हुए थे। आरोप लगे थे कि उन्होंने रेल के पुल और पटरियां उड़ाने के लिए डायनामाइट की तस्करी की थी। लेकिन क्या इस आपराधिक आरोप के आधार पर जेपी के आंदोलन को परिभाषित किया जाएगा? अगर सरकार यह सोच रही है कि प्रदर्शनकारियों पर मुकदमे दर्ज करके या उनको साजिश का हिस्सा बता कर या उनको हिंसक व मोदी विरोधी बता कर इस आंदोलन की साख बिगाड़ देगी या इससे मोदी समर्थक भी प्रदर्शनकारियों के बारे में ऐसा ही सोचना लगेंगे तो यह बड़ी गलतफहमी है। बच्चे मोदी समर्थकों के घरों में भी हैं और परीक्षा की गड़बड़ियों का असर उनके ऊपर भी समान रूप से हुआ है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज

एजेंसी, ग्लास्गो

स्कॉटलैंड के ग्लास्गो स्थित हाइड्रो एरिना में गुरुवार रात रंगों, रोशनी, संगीत और सांस्कृतिक विरासत के अद्भुत संगम के बीच कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। पारंपरिक स्कॉटिश संस्कृति और आधुनिक तकनीक के शानदार मेल ने उद्घाटन समारोह को यादगार बना दिया। हजारों दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों, आकर्षक दृश्य प्रभावों और खिलाड़ियों की शानदार परेड ने खेलों के महाकुंभ की बेहतरीन शुरुआत की।

समारोह की शुरुआत स्कॉटलैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के साथ हुई। देश के महानतम खिलाड़ियों में शुमार दिग्गज ट्रैक साइकिलिस्ट सर क्रिस होय और प्रसिद्ध अभिनेता ग्रेग मैकह्यू लोकप्रिय ब्रिटिश विज्ञान-कथा श्रृंखला डॉक्टर हू के मशहूर टार्डिस बॉक्स के माध्यम से मंच पर पहुंचे। इस दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया। टार्डिस को इस बार स्कॉटलैंड की कहानी और विरासत को दुनिया तक पहुंचाने के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद संगीत, नृत्य और आधुनिक तकनीक का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने पूरे एरिना को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्कॉटिश इलेक्ट्रॉनिक फोक संगीतकारों वाल्टोस की धुनों पर तैयार विशेष साउंडट्रैक के बीच 74 राष्ट्रमंडल खेल संघों के खिलाड़ी एक-एक कर एरिना में प्रवेश करते गए। एलईडी स्क्रीन पर हर दल का परिचय दिया गया, जबकि स्कॉटलैंड की प्राकृतिक वनस्पतियों से प्रेरित रंग-बिरंगे एनिमेशन के जरिए राष्ट्रमंडल बैटन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। मेजबान स्कॉटलैंड का दल सबसे आखिर में मैदान में

उतरा और घरेलू दर्शकों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ उसका स्वागत किया। खिलाड़ियों की परेड ने पूरे समारोह का सबसे भावुक और आकर्षक पल पेश किया, जहां खेल भावना, एकता और राष्ट्रमंडल परिवार की विविधता साफ दिखाई दी। उद्घाटन समारोह में स्कॉटलैंड की लोककथाओं और इतिहास को भी आधुनिक अंदाज में मंच पर उतारा गया। प्रसिद्ध लोच नेस मॉन्स्टर की कहानी से लेकर ग्लास्गो की पहचान मानी जाने वाली 'वॉयस ऑफ टाइम' घड़ी तक, हर प्रस्तुति ने दर्शकों को स्कॉटलैंड की सांस्कृतिक यात्रा से रूबरू कराया। गायक नाथन इवांस के जोशीले प्रदर्शन, ग्लास्गो सेंट्रल स्टेशन पर आधारित रंगारंग नृत्य और शहर के जहाज निर्माण, वस्त्र उद्योग, रेल इंजन तथा भाप इंजनों की ऐतिहासिक विरासत को भी शानदार अंदाज में प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध गायक कैलम बीटी ने लोकप्रिय गीत 'यस सर, आई कैन बूगी' की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया, जबकि गायिका नीना नेसबिट ने वर्ष 1988 के चर्चित स्कॉटिश गीत 'आई एम गोना बी (500 माइल्स)' को अपनी भावपूर्ण आवाज में प्रस्तुत कर पूरे माहौल को भावुक बना दिया। समारोह के दौरान कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे और ग्लास्गो 2026 के चेयरमैन जॉर्ज ब्लैक ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल केवल खिलाड़ियों के नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लोगों के खेल हैं और इनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से देशों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधना है। अंत में किंग चार्ल्स ने आधिकारिक रूप से कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के उद्घाटन की घोषणा की। इसके साथ ही 23 जुलाई से 2 अगस्त तक चलने वाले इस बहु-खेल आयोजन का औपचारिक आगाज हो गया, जिसमें राष्ट्रमंडल के देशों के हजारों खिलाड़ी पदकों के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

## कॉमनवेल्थ गेम्सः लवलीना के बाद सचिन, प्रीति और कपिल पर भारत की पदक उम्मीदें

**एजेंसी, नई दिल्ली** । ग्लास्गो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजी टीम ने शानदार शुरुआत की है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं महिला 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश कर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर चुकी हैं। अब भारतीय टीम की निगाहें इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) से जुड़े तीन मुक्केबाजों सचिन सिवाच, प्रीति पवार और कपिल पोखरिया पर टिकी हैं, जो अपने अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। भारत के सबसे सफल मुक्केबाजों में शामिल सचिन सिवाच 25 जुलाई को पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग में अपने अभियान का आगाज करेंगे। 26 वर्षीय सचिन शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 2025 विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था और ऐसा करने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बने थे। इसके बाद उन्होंने चेक गणराज्य में आयोजित ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम और स्पेन के बॉक्साम एलीट इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक जीता।

# इंग्लैंड में घरेलू वनडे क्रिकेट में होगा स्टोक्स और कुलदीप का मुकाबला

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू वनडे क्रिकेट में धमाकेदार वापसी करते हुए डरहम की ओर से नाबाद शतक लगाकर दिखाया है कि वह अभी भी एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। वहीं अब क्रिकेट प्रेमियों की नजरें 31 जुलाई पर टिकी हैं, जब क्लिफ्टन पार्क ग्राउंड, यॉर्क में डरहम का सामना यॉर्कशायर से होगा। यह मुकाबला सिर्फ दो काउंटी टीमों के बीच की भिड़ंत नहीं होगी, बल्कि इसमें स्टोक्स का सामना भारतीय चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव से होगा। कुलदीप यादव के लिए

यह टूर्नामेंट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज में उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने के बावजूद एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, जिस पर कई क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने सवाल उठाए थे। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर काफी आलोचना भी हुई थी, क्योंकि वे अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में, वन-डे कप कुलदीप के लिए अपनी लय वापस पाने, अपनी गेंदबाजी का जौहर दिखाने और चयनकर्ताओं को यह याद दिलाने का एक सुनहरा मौका होगा कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में कितने प्रभावी हो सकते हैं।

## अपने उभरते खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए एमआरएफ पेस अकादमी भेजेगा सीए

**एजेंसी, मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट (सीए) अपनी अगली पीढ़ी को तैयार करने और उन्हें स्पिन से निपटने के गुर सिखाने के लिए भारतीय हालातों में भी प्रशिक्षण देने की योजना बनायी है। इसी के तहत ही सीए ने अपनी एक विशेष डेवलपमेंट टीम का चयन किया है, जो अगले महीने अगस्त की शुरुआत में चेन्नई स्थित प्रतिष्ठित एमआरएफ पेस अकादमी में इन खिलाड़ियों के गहन प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगी। ऑस्ट्रेलियई दल में भारतीय मूल के दो उभरते हुए खिलाड़ी, आर्यन शर्मा और जेसन सांघा, भी शामिल हैं, जिन पर सीए की नजरें विशेष रुप से लगी हैं। यह टीम 1 से 13 अगस्त तक चेन्नई में रहेगी और इस दौरान टीम के युवा खिलाड़ियों को स्पिन-अनुकूल पिचों पर खेलने और अभ्यास करने का अच्छा अनुभव मिलेगा। सीए के लिए यह दौरा केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक रणनीतिक निवेश है, खासकर जब उन्हें भारतीय उपमहाद्वीप में स्पिन के खिलाफ अपनी चुनौतियों का सामना करना होता है। भारतीय मूल के आर्यन शर्मा और जेसन सांघा की टीम में मौजूदगी इस दौरे को और भी दिलचस्प बनाती है। उनकी जड़ों और भारतीय हालातों से संभावित परिचितता उन्हें टीम के लिए एक अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती है, साथ ही यह दिखाता है कि सीए किस प्रकार से प्रतिभाओं को बढ़ावा देता है।

# शास्त्री ने 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा टीम में विराट, रोहित और भुवनेश्वर कुमार को भी शामिल किया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आगामी 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा 15 सदस्यीय अंतिम ग्यारह टीम चुनी है। शास्त्री ने अपनी टीम में अनुभवी के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल को मिली है। टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा व तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी शामिल किया है। शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान टीम को कोहली और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की भी जरुरत पड़ेगी। शास्त्री की इस टीम में अनुभव को प्राथमिकता दी गई है।

शास्त्री का मानना है कि बड़े मुकाबलों में अनुभवी खिलाड़ियों की जरुरत रहती है। शास्त्री ने टीम में वर्तमान कोच गौतम गंभीर की तरह अधिक प्रयोग न करते हुए अनुभवी और स्थापित खिलाड़ियों को ही जगह दी है। उन्होंने जिस प्रकार से अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया है वह दिखाता है कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। वहीं यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी को शामिल करने से पता चलता है कि शास्त्री ऐसी टीम चाहते हैं जिसमें अनुभव और स्थिरता के साथ-साथ अच्छे फॉर्म में चल रहे युवा क्रिकेटर भी हों। कुल मिलाकर शास्त्री की 2027 एकदिवसीय कप टीम में अनुभवी के साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं को भी जगह मिली है।

**शास्त्री की चयनित टीम इस प्रकार है** : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार और कुलदीप यादव।

## बिजनेस

# स्टॉक मार्केट में कैलिबर माइनिंग की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

कोल माइनिंग सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 424 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 17.98 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 500.25 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 18.87 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 504 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 510 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये टूट कर 463.15 रुपये के स्तर तक भी आया। दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के शेयर 486.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 62.95 रुपये

यानी 14.85 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 450 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 108.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 253.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 281.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 43.40 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,06,13,206 शेयर बेचे गए हैं। इनमें लगभग 400 करोड़ रुपये के 94,33,962 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि 50 करोड़ रुपये के 11,79,244 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 95.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 131.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछल वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 157.90 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 957.92 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,435.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 1,684.66 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। इस अवधि में कंपनी के कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा।

## अडाणी समूह ने एयरलाइन कारोबार में उतरने की योजना से किया इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली

अडाणी समूह ने मीडिया की उन खबरों और बाजार में जारी अटकलों को ख़ारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह एयरलाइन (विमानन कंपनी) कारोबार में उतरने की योजना बना रहा है। अडाणी समूह ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हम हाल की उन मीडिया रिपोर्टों और बाजार की अटकलों का साफ तौर पर खंडन करना चाहते हैं, जिनमें कहा गया है कि अडाणी एंटरप्राइजेज एयरलाइन शुरू करने की योजना बना रही है। समूह ने इन दावों को 'पूरी तरह निराधार और तथ्यात्मक रूप से गलत' बताया। कंपनी ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज एयरलाइन कारोबार में उतरने के किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है।

# कैट ने भंडार आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति का किया स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को भारत में निर्मित अथवा उत्पादित वस्तुओं के निर्यात के लिए इन्वेंट्री (स्टॉक) रखने की अनुमति देने के निर्णय को एक स्वागतयोग्य और दूरदर्शी कदम बताया है। साथ ही इसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों को जरूरी भी बताया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को कहा कि यह दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने, निर्यात तंत्र को सशक्त बनाने, "मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड" अभियान को गति देने तथा भारतीय निर्माताओं, एमएसएमई, कारीगरों और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित करने के विजन के अनुरूप है। सरकार ने केवल निर्यात के लिए भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति दी है। खंडेलवाल ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य का पूर्ण

समर्थन किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि इस प्रावधान को उसके मूल उद्देश्य और भावना के अनुरूप लागू किया जाए तथा इसका दुरुपयोग घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार के लिए पिछले दरवाजे के रूप में न हो, क्योंकि वर्तमान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के तहत विदेशी कंपनियों को घरेलू बी2सी ई-कॉमर्स व्यापार की अनुमति नहीं है। खंडेलवाल ने पारदर्शिता, जवाबदेही और नीति के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए हैं:- खंडेलवाल ने कहा कि निर्यात के उद्देश्य से इन्वेंट्री रखने की अनुमति किसी भी विदेशी कंपनी को ऑटोमैटिक रूट के तहत नहीं दी जानी चाहिए। इसके बजाय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा कंपनी की व्यवसाय योजना की विस्तृत जांच करने तथा यह बाध्यकारी आश्वासन प्राप्त करने के बाद ही अनुमति दी जानी चाहिए कि इन्वेंट्री का उपयोग केवल निर्यात गतिविधियों के लिए होगा और घरेलू बी2सी व्यापार के लिए नहीं। विदेशी कंपनियों के स्वामित्व वाली निर्यात इन्वेंट्री को केवल भौतिक रूप से अलग और कस्टम-बॉन्डेड गोदामों में रखा जाना चाहिए, ताकि उसकी पूर्ण ट्रैकिंग सुनिश्चित हो सके और घरेलू बाजार में किसी भी प्रकार के विचलन को रोका जा सके। डीपीआईआईटी और डीजीएफटी के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा प्रत्येक तिमाही में निरीक्षण और ऑडिट किया जाना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन्वेंट्री का उपयोग केवल निर्यात के लिए हो रहा है और उसका कोई हिस्सा घरेलू बी2सी व्यापार में नहीं जा रहा है।

# वैश्विक दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी और कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कुछ देर के लिए लिवाली का जोर भी बनाया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया। हालांकि लिवाली का यह दौर अधिक देर तक टिक नहीं सका। थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने दोबारा दबाव बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ने लगी।

बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.16 प्रतिशत और निफ्टी 1.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से सिप्ला, एचसीएल टेक्नोलॉजी, नेस्ले, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयर 2.56 प्रतिशत से लेकर 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, भारती एयरटेल, एटरनल और बजाज फाइनेंस के शेयर 2.78 प्रतिशत से लेकर 2.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,732 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 545 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,187 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में था। दूसरी ओर 29 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

## एयर इंडिया और सऊदिया एयरलाइंस ने कोडशेयर विस्तार के लिए किया समझौता

**एजेंसी, नई दिल्ली** । टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया और सऊदी अरब की सऊदिया एयरलाइंस ने अपनी रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों एयरलाइंस के बीच कोडशेयर समझौते का विस्तार, नेटवर्क कनेक्टिविटी में सुधार करने और व्यापक वाणिज्यिक सहयोग की संभावनाओं को तलाशने की योजना है। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा कि हमने अपनी मौजूदा कोडशेयर डील को आगे बढ़ाते हुए और ऑपरेशनल व कमर्शियल सहयोग के नए मौके बनाते हुए, अपनी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को बढ़ाने के लिए सऊदिया एयरलाइंस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। एयरलाइन ने बताया कि इस समझौते पर सऊदी समूह के डायरेक्टर जनरल इंजीनियर इब्राहिम अल-ओमर और एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ और प्रबंध निदेशक मिस्टर कैंपबेल विल्सन ने हस्ताक्षर किए हैं। एयर इंडिया ने कहा कि हम साथ मिलकर अपने नेटवर्क में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने, कस्टमर एक्सपीरियंस और लॉयल्टी के मामले में सहयोग को गहरा करने व भारत, सऊदी अरब और अन्य जगहों के बीच यात्रा करने वालों के लिए ज्यादा वैल्यू बनाने का लक्ष्य रखते हैं। एयरलाइन ने कहा कि यह एमओयू हमारे संबंधित ग्रुप्स की अन्य एयरलाइंस (जैसे एयर इंडिया एक्सप्रेस और फ्लाईडील) तक इस पार्टनरशिप को बढ़ाने की संभावना तलाशने की नींव भी रखता है, जिससे हमारे यात्रियों के लिए और भी बेहतर कनेक्टिविटी और विकल्प बनेंगे।

# देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख, चेन्नई में सोने की बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान चेन्नई के अलावा ज्यादातर जगहों पर कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। जबकि चेन्नई में सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,170

रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

# अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं : महिमा मकवाना

अपनी आगामी वेब सीरीज मुसाफिर कैफे को लेकर चर्चा में बनी अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा कि अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण पेशा भी है। महिमा मकवाना का मानना है कि मनोरंजन जगत की चमक-दमक के पीछे कई ऐसी चुनौतियां छिपी होती हैं, जिनका सामना कलाकारों को रोजाना करना पड़ता है। अनियमित कार्यशैली, लंबे शूटिंग घंटे और लगातार बदलते शेड्यूल कलाकारों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं, इसलिए मानसिक रूप से संतुलित रहना उनके लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाता है।

महिमा मकवाना ने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए एक निश्चित और अनुशासित दिनचर्या बेहद जरूरी होती है। उनका मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित जीवनशैली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभिनय ऐसा पेशा है, जहां हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है और इसके लिए मन का शांत तथा संतुलित होना आवश्यक है। उन्होंने खुशी जताई कि अब फिल्म और वेब मनोरंजन उद्योग में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर पहले की तुलना में अधिक जागरूकता देखने को मिल रही है और इस विषय पर खुलकर चर्चा भी हो रही है। अभिनेत्री ने बताया कि मनोरंजन उद्योग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक अनिश्चित कार्य समय है। यहां न तो तय छुट्टियां होती हैं और न ही निश्चित काम के घंटे। कलाकारों को कई बार लगातार लंबे समय तक शूटिंग करनी पड़ती है, जबकि शेड्यूल भी बार-बार बदलते रहते हैं। ऐसे माहौल में निजी जीवन और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि इस संतुलन पर ध्यान नहीं दिया जाए तो इसका असर कलाकार के मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके काम की गुणवत्ता पर भी पड़ सकता है। महिमा के अनुसार, अब काम के घंटों और कार्य परिस्थितियों को लेकर उद्योग में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हर कलाकार की परिस्थितियां अलग होती हैं। किसी की स्थिति उसके करियर के चरण, अनुभव और अपनी बात रखने की क्षमता पर निर्भर करती है। साथ ही यह भी महत्वपूर्ण है कि कलाकार और निर्माता आपसी समझ तथा सहयोग के साथ काम करें, ताकि सभी पक्षों के हितों का ध्यान रखा जा सके। महिमा मकवाना ने यह भी कहा कि किसी भी निर्णय में केवल व्यक्तिगत सुविधा को प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए। फिल्म या वेब सीरीज के निर्माण में बड़ी टीम की मेहनत, समय और आर्थिक निवेश शामिल होता है। इसलिए हर फैसला ऐसा होना चाहिए जो पूरी टीम के लिए व्यावहारिक और संतुलित हो। उन्होंने कहा कि सामूहिक सोच और सहयोग से ही बेहतर कार्य वातावरण तैयार किया जा सकता है। वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही वेब सीरीज मुसाफिर कैफे में नजर आएंगी।

# लॉक अप सीजन 2 : लवबर्ड्स कहने पर बढ़ा विवाद, शिल्पा शिंदे पर भड़के हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी

रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में हर दिन नए रिश्ते बनते और बिगड़ते नजर आ रहे हैं। शो में कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाले विवाद लगातार दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। इस बार अभिनेता हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी, शिल्पा शिंदे से भिड़ते नजर आए।

दरअसल, शिल्पा शिंदे ने उन्हें लवबर्ड्स कहकर पुकारा था। इस टिप्पणी पर दोनों ने कड़ी आपत्ति जताई और देखते ही देखते मामूली बहस तीखी नोकझोंक में बदल गई। पूरे विवाद की शुरुआत जिम मैट को लेकर हुई। हर्षद चोपड़ा जिम मैट ढूंढ रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर जिम मैट नहीं मिल रहा है। इस पर शिल्पा शिंदे ने जवाब दिया कि वह उसी मैट पर सो रही हैं और उसे नहीं देंगी। शिल्पा की इस बात पर हर्षद नाराज हो गए और बोले कि वह बिना मैट के भी सो सकती हैं। इसी दौरान शिल्पा ने तंज कसते हुए हर्षद और शिवांगी को लवबर्ड्स कह दिया। यह सुनते ही माहौल अचानक गर्म हो गया। शिवांगी जोशी ने तुरंत इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और पूछा कि आखिर वह उन्हें बार-बार लवबर्ड्स क्यों कह रही हैं। सभी जानते हैं कि हमारे बीच सिर्फ दोस्ती का रिश्ता है, इसलिए इस तरह की बातें करना सही नहीं है। अपनी भाषा और सोच पर थोड़ा ध्यान दो। शिवांगी का साथ देते हुए हर्षद चोपड़ा ने भी कहा, मैं सिर्फ उसका दोस्त हूं। इसके बाद उन्होंने शिल्पा पर निशाना साधते हुए कहा, आपने शायद जिंदगी में कभी सच्ची दोस्ती देखी ही नहीं। आपकी उम्र शादी करने की है और आप इस तरह की अफवाहें फैला रही हैं। शिवांगी ने भी शिल्पा पर पलटवार करते हुए कहा, आपने अपनी जिंदगी में एक भी दोस्त नहीं बनाया। क्या ये जलन है? इस दौरान शिल्पा लगातार लवबर्ड्स शब्द दोहराती रहीं। इससे हर्षद का गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, शिल्पा हर समय यही शब्द दोहराती रहती हैं। वहीं शिवांगी ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शिल्पा के दिमाग में गंदगी भरी हुई है और वह हर रिश्ते को उसी नजर से देखती हैं। इस पूरे मामले पर शो के सीक्रेट रूम से देख रही वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट अपूर्वा मखीजा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दर्शकों को आज फिर हर्षद चोपड़ा का कबीर सिंह वाला रूप देखने को मिल गया।

# मात्र सात मिनट के रोल से मिली थी विवाह में भूमिका: अमृता राव

बॉलीवुड फिल्म विवाह में निभाए गए पूनम के किरदार को लेकर हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने बताया कि उन्हें यह प्रतिष्ठित किरदार किस तरह मिला। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि निर्देशक सूरज बड़जात्या ने उन्हें किसी बड़ी हिट फिल्म के कारण नहीं, बल्कि एक ऐसी फिल्म में निभाए गए बेहद छोटे से किरदार को देखकर चुना था, जिसकी उन्होंने खुद भी कल्पना नहीं की थी।

अमृता राव ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन्हें फिल्म द लीजेंड ऑफ भगत सिंह में उनके लगभग सात मिनट के छोटे से किरदार के आधार पर विवाह के लिए चुना था। अभिनेत्री के लिए यह बेहद आश्चर्यजनक था, क्योंकि उन्हें नहीं लगा था कि इतने कम स्क्रीन टाइम वाला किरदार किसी बड़े निर्देशक का ध्यान आकर्षित कर सकता है। लेकिन सूरज बड़जात्या ने उसी छोटी-सी भूमिका में उनकी सहजता और सादगी को पहचाना और उन्हें अपनी फिल्म की मुख्य नायिका बनने का अवसर दिया। अमृता ने अपनी पहली मुलाकात का अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वह सूरज बड़जात्या से मिलने पहुंचीं, तब उन्हें यह बिल्कुल पता नहीं था कि उन्हें किस तरह के किरदार के लिए बुलाया गया है। इसी वजह से वह सामान्य मुंबई की युवती की तरह जींस और टी-शर्ट पहनकर उनसे मिलने गई थीं। मुलाकात के दौरान उन्हें पता चला कि निर्देशक उन्हें मधुपुर की एक सरल, पारंपरिक और संस्कारी लड़की पूनम की भूमिका में देख रहे हैं। उस समय उन्हें अपने आधुनिक पहनावे और प्रस्तावित किरदार के बीच का अंतर काफी दिलचस्प लगा और वह इस बात को याद कर आज भी मुस्कुरा देती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि मुलाकात के दौरान सूरज बड़जात्या ने कहा था कि उन्हें वह एक फिल्म में बहुत पसंद आई थीं। पहले तो अमृता को लगा कि शायद वह उनकी किसी चर्चित या सफल फिल्म की बात कर रहे हैं, लेकिन जब उन्होंने द लीजेंड ऑफ भगत सिंह का नाम लिया तो वह हैरान रह गईं। अमृता के अनुसार, यह उनके लिए बेहद भावुक पल था, क्योंकि महज सात मिनट की भूमिका ने भी एक दूरदर्शी निर्देशक पर इतनी गहरी छाप छोड़ी थी कि उन्होंने उन्हें अपनी सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक की नायिका बना दिया। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी विवाह में अमृता राव के साथ शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में पूनम का सादगीपूर्ण और संस्कारी किरदार दर्शकों को इतना पसंद आया कि वह आज भी हिंदी सिनेमा के यादगार पात्रों में गिना जाता है। सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की और अमृता राव तथा शाहिद कपूर की जोड़ी को देशभर में लोकप्रिय बना दिया।

# डॉ. पृथ्वी दत्ता के किरदार को निभाने दी अलग तरह की सलाह: सिद्धार्थ मिश्रा

अपने शानदार अभिनय से वेब सीरीज गुल्लक-5 में अभिनेता सिद्धार्थ मिश्रा दर्शकों की खूब सराहना बटोर रहे हैं। डॉ. पृथ्वी दत्ता के किरदार की गंभीरता, संवेदनशीलता से अभिनेता दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। अभिनेता सिद्धार्थ ने बताया कि इस चुनौतीपूर्ण भूमिका को प्रभावशाली बनाने के लिए निर्देशक अभय राउत ने उन्हें एक अलग तरह की तैयारी करने की सलाह दी थी। सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि निर्देशक अभय राउत ने उन्हें फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में अभिनेता ऋतिक रोशन के किरदार के व्यक्तित्व और सोच को समझने की सलाह दी थी। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया था कि किसी भी तरह की नकल नहीं करनी है। उद्देश्य केवल उस किरदार की कार्यशैली, अनुशासन और मानसिकता को समझना था, ताकि डॉ. पृथ्वी दत्ता के व्यक्तित्व को स्वाभाविक और प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा जा सके। अभिनेता के अनुसार, डॉ. पृथ्वी दत्ता बेहद महत्वाकांक्षी, अनुशासित और अपने पेशे के प्रति पूरी तरह समर्पित व्यक्ति हैं। वह हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनने की कोशिश करते हैं और यही महत्वाकांक्षा कई बार उनके निजी जीवन को भी प्रभावित करती है। गुल्लक-5 के अंतिम एपिसोड में इस आंतरिक संघर्ष को प्रमुखता से दिखाया गया है, जिससे यह किरदार और अधिक मानवीय तथा वास्तविक महसूस होता है। सिद्धार्थ ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार को समझने के लिए कई बार स्क्रिप्ट पढ़ी। बार-बार स्क्रिप्ट का अध्ययन करने से उन्हें उन छोटी-छोटी आदतों और व्यवहारों को समझने में मदद मिली, जो संवादों में सीधे तौर पर नहीं लिखे गए थे। इसी प्रक्रिया के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि डॉ. पृथ्वी साफ-सफाई और स्वास्थ्य को लेकर बेहद सजग व्यक्ति हैं। इसी सोच को दर्शाने के लिए एक दृश्य में उनका संवाद रखा गया कि वह भोजन के बाद ही हाथ मिलाना पसंद करते हैं, क्योंकि पहले हाथ धोना उनके लिए जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि किरदार की इसी विशेषता को और प्रभावशाली बनाने के लिए उन्होंने एक छोटा-सा सुझाव निर्देशक को दिया था। उनके सुझाव के अनुसार, डॉ. पृथ्वी एक दृश्य में डॉ. प्रीति के केबिन का दरवाजा हाथ से नहीं बल्कि अपनी कोहनी से खोलते हैं, ताकि अनावश्यक रूप से कीटाणुओं के संपर्क में न आएं। यह दृश्य मूल स्क्रिप्ट में नहीं था, लेकिन इसे शामिल किए जाने से किरदार की सोच और आदतें अधिक विश्वसनीय बन गईं।

# वेब सीरीज रिव्यू: 'मुसाफिर कैफे'-जहाँ बेमेल अरमानों के बीच सुलगती है ठहराव की एक अनूठी प्रेम कहानी

क्या हो जब फुर्सत से छनती कॉफी की महक और मिनटों में उबलती चाय की चुस्की एक मोड़ पर टकरा जाएं? जब 'प्राइड ऐंड प्रिज्युडिस' की क्लासिक दुनिया का मुरीद कोई शख्श, 'मेटामॉर्फोसिस' की उलझनों को समझने वाली लड़की के दिल में जगह बना ले? दिव्य प्रकाश दुबे के बहुचर्चित उपन्यास पर आधारित और रुचिर अरुण द्वारा निर्देशित वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' इसी तरह के दो बिल्कुल उलट मिजाज वाले इंसानों की कहानी है—जो 25-25 मिनट के 8 एपिसोड्स में दर्शकों को आधुनिक प्यार और पुराने दौर के सुकून का अहसास कराती है। कहानी: जब सपने बने इश्क़ के आड़े कहानी की शुरुआत भोपाल के एक कैफे से होती है, जहाँ सीधी-सच्ची नौकरी कर रहा इंजीनियर चंदर (विक्रांत मैसी) और मुंबई के कॉर्पोरेट जगत में परचम लहराने की ख्वाहिश रखने वाली डिवॉर्स लायर सुधा (वेदिका पिंटो) अरेंज्ड मैरिज के सिलसिले में टकराते हैं। आज़ाद ख्याल सुधा को शादी के बंधन से परहेज़ है, इसलिए रिश्ता तो नहीं जुड़ता, मगर मुलाकातों का सिलसिला धीरे-धीरे लिव-इन रिलेशनशिप तक जा पहुँचता है। दिक्कत तब शुरू होती है जब दोनों की मंजिलें जुदा होने लगती हैं। चंदर को कॉर्पोरेट की चूहा-दौड़ छोड़कर पहाड़ों की गोद में अपना एक कैफे बसाना है, जबकि सुधा को मुंबई की चमचमाती दुनिया में अपना लॉ फर्म खड़ा करना है। सपनों का यह टकराव दोनों के रास्ते अलग कर देता है। चंदर मसूरी में 'मुसाफिर कैफे' खोलता है और उसकी जिंदगी में एंट्री होती है प्रीति (महिमा मकवाना) की, जो हर मोड़ पर उसका साथ देती है।

यहाँ से यह कहानी एक ऐसे लव ट्राइंगल (त्रिकोण) में बदल जाती है, जिसका रोमांच अगले सीजन तक खिंच जाता है। सकारात्मक पहलू: सुकून भरा कैनवास और आत्म-मंथन इस सीरीज का सबसे खूबसूरत हिस्सा है इसकी रूहानी दुनिया। भोपाल की शांत गलियों से लेकर मसूरी के धुंध भरे पहाड़ों तक—शरण्या राजगोपाल का लेखन और सिनेमैटोग्राफी दर्शक को एक पल के लिए अपनी भागदौड़ भरी ज़िंदगी से ब्रेक लेने पर मजबूर कर देती है। चाय-कॉफी की गर्माहट और किताबों के पन्नों के बीच बुनती यह कहानी सिर्फ प्यार ही नहीं दिखाती, बल्कि दर्शक को खुद से सवाल करने और अपने सपनों की ओर एक कदम बढ़ाने की प्रेरणा देती है। कहाँ चूक गई सीरीज? धीमी रफ़्तार: 'स्लो-बर्न' शैली के चक्कर में एक वक्त के बाद चंदर और सुधा के बीच की कहानी में दोहराव सा लगने लगता है।

केमिस्ट्री का अभाव: प्रीति (महिमा मकवाना) और चंदर के रिश्ते में वो गहराई और तड़प नज़र नहीं आती, जिसकी उम्मीद की जा रही थी।

अधूरा अंत: क्लाइमेक्स को जिस तरह क्लिफहैंगर पर छोड़ा गया है, वह कुछ दर्शकों को अखर सकता है। अंतिम निर्णय: तमाम कमियों के बावजूद, 'मुसाफिर कैफे' उन लोगों के लिए एक खूबसूरत सौगात है जो आज के डिजिटल और आपाधापी भरे दौर में अपनी स्क्रीन पर थोड़ा ठहराव, कुछ वादे और सुकून का एक आशियाना तलाश रहे हैं।

# अभिनेता जॉन अब्राहम ने 84 करोड़ का बंगला खरीदा

फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी फिटनेस और सूझबूझ भरे बिजनेस इन्वेस्टमेंट के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने मुंबई के सबसे पॉश इलाकों में से एक बांद्रा वेस्ट के सेंट मार्टिन रोड पर 84 करोड़ रुपये का एक बेहद आलीशान बंगला खरीदा है। यह प्रॉपर्टी कुल 1017.60 वर्ग मीटर में फैली हुई है, जिसमें 193.12 वर्ग मीटर में बंगला और उसके पीछे 31.50 वर्ग मीटर का एक आउटहाउस बना हुआ है।

दस्तावेजों के अनुसार, जॉन अब्राहम ने 14 जुलाई 2026 को इस नए घर का आधिकारिक रजिस्ट्रेशन कराया, जिसके लिए उन्होंने लगभग 5.04 करोड़ रुपये की स्टैंप ड्यूटी चुकाई है। इस नए बंगले में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। जॉन अब्राहम का रियल एस्टेट में यह कोई पहला बड़ा निवेश नहीं है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2023 में मुंबई के खार इलाके में 70.83 करोड़ रुपये की एक लग्जरी प्रॉपर्टी खरीदी थी।

जॉन अब्राहम ने न केवल फिल्मों से बल्कि अपने स्मार्ट बिजनेस विजन के जरिए एक बड़ा साम्राज्य खड़ा किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर की कुल संपत्ति लगभग 251 करोड़ रुपये से अधिक है। फिल्मों में अभिनय के अलावा उनका अपना प्रोडक्शन हाउस, स्पोर्ट्स टीम, फिटनेस वेंचर और कई अन्य बिजनेसेस में बड़ा निवेश है। उन्होंने साल 2012 में अपने प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी, जिसके बैनर तले विकी डोनर, मद्रास कैफे और परमाणु जैसी कई सफल और चर्चित फिल्में बनी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो जॉन अब्राहम को आखिरी बार साल 2025 में आई फिल्म डिप्लोमैट में देखा गया था। इस फिल्म में उनके सशक्त अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों की ओर से काफी सराहना और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

BRIFF NEWS

## Govt Says FCRA Curbs Mirror Global Norms

**New Delhi, Agency:** Ahead of Parliament taking up the Foreign Contribution Regulation (Amendment) Bill, 2026, govt cited comparable laws regulating foreign funding, influence and lobbying in the US, UK, Australia and Canada to underline the "globally recognised" concern that "foreign money, when unregulated, can affect democratic institutions, electoral processes and public discourse".

In a backgrounder on FCRA issued Wednesday, MHA said regulating foreign contributions and influence was "not a uniquely Indian approach", with leading democracies strengthening such frameworks over the past decade.

## Delhi ACP Injured in Jantar Mantar Stone-Pelting

**New Delhi, Agency:** A Delhi Police ACP was brought to RML Hospital here with a head injury and multiple bruises after a stone-pelting incident near Jantar Mantar, hospital authorities said on Thursday. "ACP, Connaught Place, Vivek Bhagat, was brought to the Emergency Department of Ram Manohar Lohia (RML) Hospital following the reported incident of stone-pelting last night near Jantar Mantar.

"On examination, he was found to have multiple bruises over both the upper and lower limbs, along with the shoulder, and swelling over the parieto-occipital region (back of the head). The patient also gave a history of ear bleeding and vomiting," the hospital said in a statement.

## Anurag Jain named new Niti Aayog CEO

**New Delhi, Agency:** Govt Wednesday appointed 1989-batch IAS officer Anurag Jain, currently chief secretary of Madhya Pradesh, as chief executive officer (CEO) of Niti Aayog for two years. Centre's premier think tank has been without a full-time CEO since BVR Subramanyan's term ended last Feb.

Jain comes with varied experience across ministries, having worked in department of financial services at the time of the launch of PM Jan Dhan Scheme over a decade ago. After that he moved to the PM's Office, before taking charge as DDA vice-chairperson.

# PM Modi urges youth to lead vision of Viksit Bharat

**New Delhi, Agency:** Underscoring the impor-tance of tackling the serious issue of drug abuse among youth, PM Narendra Modi Wednesday suggested that efforts be made to develop an "institutional mechanism" to break departmental silos and foster greater inter-departmental coordination and convergence in youth-centric initiatives.

He also pitched for establishing India as a "global sports hub" by hosting major international sporting events and emphasised the need to adopt an integrated approach for development of sports in the country. He further stressed the importance of promoting technology and fostering innovation through startups in sports sector. The PM made the remarks while chairing a high-level meeting with secretaries to review progress in rural development, agriculture, social welfare and allied sectors towards Viksit Bharat goals at his residence at Lok Kalyan Marg here. He said the dream to build a 'Viksit Bharat' should become a 'Jan Andolan' (people's movement) and the youth should form the foundation of this vision. "The PM shared his suggestions and his vision for future course of action. The meeting was marked by comprehensive and productive discussions across sectors, focusing on effective implementation, greater convergence and accelerated progress towards the goals of Viksit Bharat," said a statement from the PMO.

During the meeting, attended by cabinet secretary, secretaries of key ministries as well as senior PMO officials, Modi highlighted that the widespread adoption of initiatives such as PM-KUSUM scheme by farmers can bring transformative changes to the agriculture sector and stressed the need for global mapping of skill requirements to ensure better alignment with international opportunities and future needs.

PM-KUSUM scheme is one of the largest initiatives in the world to provide clean energy to more than 35 lakh farmers by solarising their agriculture pumps.

# Open to talks with protesters, says govt interlocutor

**New Delhi, Agency:** Health minister J P Nadda, govt's interlocutor with Cockroach Janata Party, emphasised govt's willingness to hold discussions with protestors while sidestepping their demand, made by opposition parties too, for the resignation of education minister Dharmendra Pradhan, asserting the Centre will respond to every charge in debate in Parliament.

Addressing a presser, Nadda accused Rahul Gandhi of seeking political mileage over the issue of the NEET-UG paper leak and being selective in his outrage, as the minister listed out numerous cases of leaks in exams held by states where Congress or other opposition parties have been in office.

Asked if the demand for Pradhan's resignation has been discussed within govt, he said, "Nahi, is tarike se nahi hota (no, it does not work like this)... We are willing for discussion. It will be in Parliament. They put across their views. Govt will answer."

Defence minister Rajnath Singh accused the opposition of trying to use the youth as a political tool for its selfish interests. Opposition netas were stoking a "manufactured sense of anger" to mislead them over the paper leak issue, he said. Nadda asked opposition parties to engage with govt to find a permanent solution to the menace, insisting that it is a serious issue which should not be politicised. With the opposition calling for Pradhan's resignation, he said it should not change goalpost, a reference to govt's claim that Rahul's initial demand was for a discussion. Nadda said he had responded to CJP's demands and was willing for more engagement. No talks were held Wednesday, he added.

Rajnath expressed concern over the ongoing protest at Jantar Mantar, now into its second month and drawing a sustained crowd, and emphasised govt's commitment to fulfilling the aspirations of the youth. Slamming the opposition, which has sensed an opening to put the governing alliance on the defensive, he said it was making a wrong attempt to settle issues on the street instead of Parliament.

## Kalyan Banerjee suspended from Lok Sabha as rebel MPs complain of foul language

**New Delhi, Agency:** Trinamool Congress MP Kalyan Banerjee, not new to allegations of inappropriate behaviour, was suspended from Lok Sabha for the remainder of Parliament's monsoon session after some women MPs of the party's breakaway faction accused him of using indecent language against them and complained to Speaker Om Birla.The House adopted a motion moved by Union law minister Arjun Ram Meghwal for his suspension as Telugu Desam Party MP Krishna Prasad Tenneti informed members of the complaint, saying his objectionable conduct was against the prestige of Parliament. The motion was passed amid noisy protests by opposition members on the paper leak issue. Banerjee had been sharply critical of the 20 rebel MPs, whose merger with the Nationalist Citizens Party of India is awaiting Birla's approval, and passed comments on a few of them, leading to the complaint.

## EAM talks of trade with Rubio sailors with Sergey Lavrov

**New Delhi, Agency:** S Jaishankar had a meeting with his Marco Rubio on the sidelines of Asean in Manila, focusing on issues related to trade and tariffs along with the critical minerals partnership. According to a US readout, they agreed on the importance of finalising the interim trade deal, which is "almost complete". They also discussed finalising key defence agreements to fulfil commitments made between President Donald Trump and PM Narendra Modi. "Our relationship with India is vitally important," said Rubio on X.

# 'Bail by HCs shouldn't be challenged in SC': CJI-led bench rejects appeal by Chhattisgarh government

**New Delhi, Agency:** In an important exposition on the working of criminal justice process without diluting the primacy of individual liberty, the Supreme Court on Wednesday said that once a high court grants bail to an accused, it must be treated as final and SC must not entertain appeals against the order by the state, reports DhananjayMahapatra.

A bench of CJI Surya Kant, and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana made the statement as they disposed of Chhattisgarh govt's appeal against grant of bail to Chaitanya Baghel, son of ex-CM Bhupesh Baghel, despite having serious reservations about HC's order, and said judicial system must get back to the trend during 1980s, when then CJI P N Bhagwati had said HC's orders granting bail should be final.

CJI Surya Kant said HCs appear to have become very conservative in granting bail and write 40-50 pages while granting or rejecting bail without realising the impact of long discussions on merits of the case in a fair and impartial trial. The bail orders should not exceed three to four pages.

Justice Bagchi suggested that appeals to SC in matters of bail should be made in cases where it has been denied. "Cases where liberty is deprived stand on a completely different footing in SC which is the enforcer of fundamental rights. When it is cancellation of bail, that is diminution of liberty, we must weigh it against victim's rights and the societal interest. These are the guiding principles."

The bench said the states' penchant for challenging bails granted by HCs in the last two decades is the single largest reason for the burgeoning of appeals in SC. "Every day each bench of SC deals with at least ten such petitions. This is the concern of the court," he said.

"Why we are concerned -if a prosecutor and investigator rests so much on interlocutory relief, the ultimate effort for securing conviction is lessened... by seeking cancellation of bail you (state) can ensure that an undertrial prisoner continues to be incarcerated while absolving yourself of the higher responsibility of ensuring fair and just trial to secure conviction, which the victims of crime desire," the bench said. "In most cases there is no honourable acquittal. The accused is not convicted because the investigator slips and the prosecution fails to present evidence properly. This is where the state must fasten accountability and not seek cancellation of bail. We are making these observations out of serious concern," it further said. Justice Bagchi said, "The HCs are passing 50-page bail orders in UAPA cases, 40-page orders in PMLA cases.

## SC Rejects Plea Against Jantar Mantar Lathicharge

**New Delhi, Agency:** A Supreme Court bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana Wednesday declined to accept an advocate's suggestion that it take suo motu cognisance of the police action against protesters at Jantar Mantar. The bench said the advocate shouldn't waste his own as well as judicial time on issues not before the court. When the advocate said he had video footage of the violence and police lathicharge, and would file it for viewing by the court, the bench replied, "We do not want to watch videos during judicial work."

Meanwhile, Supreme Court Bar Association led by senior advocate Vikas Singh passed a resolution condemning the "brutal lathicharge on innocent students".

# Painting that stoked row goes from Army Chief's office

**New Delhi, Agency:** The wall decor of the lounge at the Army Chief's office at South Block here has undergone a change. A painting that had "sharply divided opinion" has been removed from the venue where the Army Chief receives and meets visiting dignitaries.

The much-debated painting had been put up in December 2024 replacing another famous painting depicting the Pakistan Army's surrender at Dhaka in 1971.

Yesterday, the Eastern Command posted a video message of the Army Chief, Gen Dhiraj Seth, wishing success for the Durand Cup football tournament, to be hosted from July 25.'The Eastern Command is hosting the 135th edition of the tournament this year. General Seth had taken over as Army Chief on June 30.

In the video message shot in the lounge of his office, the General is seen sitting against a wood-panelled background which has the Army's insignia at the same spot where the now-removed painting existed.

The painting that has been removed had been put up in December 2024. It depicted tanks along the Pangong Tso near the Line of Actual Control (LAC) in Eastern Ladakh. It also

# NEET's top 2 scorers: Protest is a right, reform is the answer

**New Delhi, Agency:** Aryan Gupta and Panshul Bansal felt the same anger and sense of injustice as lakhs of NEET-UG aspirants when the May 3 examination was cancelled after a paper leak. They believe students were within their rights to protest. However, instead of joining the demonstrations, they stepped away from the noise, revitalised their will and prepared for the June 21 re-examination.

Both scored 715 out of 720, with Gupta securing AIR 1 and Bansal placed second under the tie-breaking rule. They now want computer-based testing, tighter security and two NEET attempts a year to help examinees avoid what they experienced this year.

"Although it was unfair, it was not unfair only to me. It was unfair to everyone," Gupta said, adding that he treated the retest as a chance to improve his performance.

As reports about the leak and protests multiplied, Bansal stopped following the news for nearly two months as it was giving him "negative thoughts". Both defended students' right to demonstrate. "Protest and dissent are basic rights of a citizen. They are essential for a democracy," Gupta said. Bansal said his job was to prepare, while it was govt's responsibility to repair the system.